www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 98 || अम्बेडकरनगर
सोमवार
29 जून 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः 2 ₹
आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:15
सूर्यास्तः 07:04
अधिकतमः 38°00
न्यूनतमः 29°00

पेज 07

विशेष समाचार
कंक्रीट के जंगलों में प्रकृति... >>पेज 04
बहन को भगाकर शादी करने ... >>पेज 06
शाहरुख के धक्का देने के ...

टिन्नू के घर अलमारी-बक्से खंगाले, इंद्रेश बोले- दोषियों को नहीं बख्शेंगे

राममंदिर चढ़ावा चोरी : 8 आरोपियों के घर पुलिस की एकसाथ छापेमारी

रेड

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या । राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में जेल में बंद 8 आरोपियों के घर रविवार सुबह 7 बजे पुलिस ने छापेमारी की। पुलिस की 8 टीमों ने एक साथ, एक ही वक्त पर आरोपियों के घर पर दबिश दी। इस दौरान 3 आरोपियों के घर पर ताला लगा था। पुलिस ने पड़ोसियों से सवाल-जवाब किए।

छापेमारी के दौरान चंपत राय के करीबी रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू के घर पर ताला लगा मिला। कुछ देर बाद टिन्नू की मां मौके पर पहुंचीं और ताला खोला। पुलिस ने अंदर जांच पड़ताल की। पुलिस टिन्नू के घर से थोड़ी दूरी पर भतीजे आरोपी मनीष यादव के घर पहुंची तो वहां भी ताला लगा था। वहीं, आरोपी सुभाष चंद्र श्रीवास्तव के घर पर भी ताला लगा मिला।

आरोपी अनुकल्प मिश्रा के घर पर भी छापेमारी हुई।

>> (शेष पेज 06 पर)

कौशलपुरी में आरोपी अनुकल्प मिश्रा के घर पर पुलिस ने दबिश दी। घरवालों से पूछताछ की। इस दौरान 2 पुलिसकर्मी बाहर निगरानी करते रहे।

स्वर्गद्वार मोहल्ले में आरोपी रामशंकर यादव टिन्नू का घर है। पुलिस ने टिन्नू की मां से पूछताछ की।

> आरएसएस की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य इंद्रेश कुमार ने कहा- एसआईटी मामले की जांच कर रही है। दोषी बख्शे नहीं जाएंगे। अयोध्या का राम राज्य ऐसा है कि अपराधियों को कभी माफ नहीं किया जाता। उन्हें सजा दी जाती है। जल्दबाजी करने या राजनीतिक रंग देने की कोई जरूरत नहीं है।

सपा के पूर्व विधायक पवन पांडेय ने साधु-संतों और शंकराचार्य से मांगी मदद

सपा के पूर्व विधायक पवन पांडेय ने अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले साधु-संतों और शंकराचार्यों से आगे आने की अपील की है। उन्होंने कहा कि आप सभी चढ़ावा डकैती के मामले में फैसला लीजिए, ताकि कोई दोबारा ऐसी हरकत न कर सके।

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

जुलाई नवीन माह का आरंभ ही नहीं, अपितु लाखों बच्चों के सपनों को विद्यालय तक पहुंचाने के नए संकल्प का समय है। **उत्तर प्रदेश में 01 जुलाई से 'स्कूल चलो अभियान' का दूसरा चरण शुरू हो रहा है।** 15 जुलाई तक चलने वाले इस अभियान का उद्देश्य कक्षा 1 से 12वीं तक शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करना, ड्रॉपआउट बच्चों को पुनः विद्यालय से जोड़ना तथा नए शैक्षणिक सत्र में प्रवेश अभियान को गति देना है।

जीवन की सबसे अनमोल संपत्ति की जब भी चर्चा होती है, तो मानस पटल पर केवल विद्या का नाम आता है। ज्ञान के पंख ही बच्चों को आकाश की ऊंचाइयों तक पहुंचाते हैं। विद्यालय वह पवित्र स्थान है, जहां से छात्र-छात्राओं के ज्ञान, संस्कार और जीवन-धर्म के साथ ही चरित्र एवं व्यक्तित्व निर्माण की यात्रा आरंभ होती है। **यही सनातन परंपरा भी है।** प्राचीन गुरुकुलों में विद्यार्थी गुरु के सान्निध्य में रहकर वेद, उपनिषद, शास्त्र, विज्ञान, शिल्प, धनुर्वेद, कृषि, नीति और जीवन-मूल्यों के सांचे में ढलते थे। आज के विद्यालय उसी गुरुकुल परंपरा के आधुनिक स्वरूप हैं, जहां पुस्तकीय और प्रायोगिक ज्ञान के साथ-साथ अनुशासन और राष्ट्रनिर्माण की भावना का विकास होता है।

जब कोई बच्चा पहली बार विद्यालय की चौखट पार करता है, तब उसके साथ पूरा परिवार, गांव और समाज आगे बढ़ता है। प्रत्येक बेटी एवं बेटे की शिक्षा और भविष्य तथा हर परिवार की प्रगति का सर्वाधिक सशक्त आधार विद्यालय ही है। हमारी सरकार ने इसी मंशा से **'प्रोजेक्ट अलंकार'** शुरू किया था, जिसके अंतर्गत प्रदेश के माध्यमिक विद्यालयों का आधुनिकीकरण किया जा रहा है तथा आधारभूत संरचना के उन्नयन के साथ ही गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित किया गया है। **शिक्षा का प्रकाश पूरे प्रदेश को आलोकित करे, इसलिए हमारी सरकार 'ऑपरेशन कायाकल्प', 'मिशन प्रेरणा', 'कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय योजना' एवं 'मिशन निपुण' जैसे अभियान चला रही है,** ताकि हर स्तर पर शिक्षा की गुणवत्ता बढ़े। स्वस्थ मस्तिष्क के लिए स्वस्थ शरीर की आवश्यकता होती है। इसलिए स्कूलों में विविधतापूर्ण गर्म पका-पकाया रुचिकर भोजन की व्यवस्था की गई है।

प्रिय गुरुजनों, कुछ बातें मैं आपसे भी करना चाहता हूं। आप सुनिश्चित करें कि बच्चे स्कूल को दैनिक रूटीन का हिस्सा मात्र न समझें, बल्कि विद्यालय जाने में रुचि दिखाएं। खेल-कूद आदि गतिविधियां इसके लिए बेहतर माध्यम हो सकती हैं।

अभिभावक अपने बच्चों का मूल्यांकन उनके नंबरों से नहीं, बल्कि उनके हौसले और लगन से करें। स्कूलों में उनकी नियमित उपस्थिति आपको ही सुनिश्चित करनी होगी। 3 से 6 वर्ष के बच्चों को **'बाल वाटिका'** भेज सकते हैं।

प्रदेशवासियों, 'स्कूल चलो अभियान' को केवल सरकारी कार्यक्रम न रहने दें। इसे जनांदोलन बनाएं। यदि हमारे आसपास कोई ऐसा बच्चा हो, जो अभी तक विद्यालय नहीं पहुंच पाया, उसे स्कूल तक पहुंचाना भी हमारा कर्तव्य है। उत्तर प्रदेश का भविष्य तभी उज्ज्वल होगा, जब प्रत्येक बच्चा शिक्षा से अभिसिंचित होगा। **विद्या सर्वत्र पूज्यते।**

आपका
योगी आदित्यनाथ

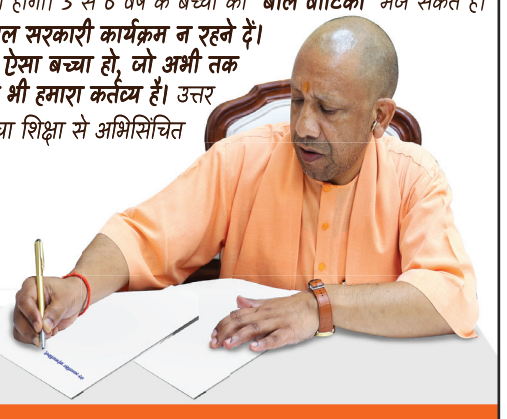

सा विद्या या विमुक्तये
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश
UPGovtOfficial CMOUttarpradesh CMOfficeUP

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में पाकिस्तानी अरेस्ट

एलओसी से घुसपैठ कर अंदर आ गया था

पूछताछ

तमसा संकेत, एजेंसी

पुंछ । जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (LoC) पर भारतीय सेना ने रविवार को पाकिस्तान के एक घुसपैठिए को गिरफ्तार किया। अधिकारियों के अनुसार, इस महीने जिले में पकड़ा गया यह तीसरा पाकिस्तानी घुसपैठिया है।

गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान 31 साल के रईस खान के रूप में हुई है। जो पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) का निवासी है। अधिकारियों ने बताया कि वह बालाकोट सेक्टर से LoC पार कर भारतीय सीमा में दाखिल हुआ था, जिसके तुरंत बाद सेना ने उसे हिरासत में ले लिया। शुरुआती जांच में उसके पास से कोई आपत्तिजनक सामग्री बरामद नहीं हुई है।

>> (शेष पेज 06 पर)

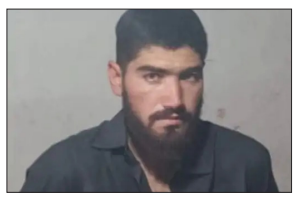

- सांबा में संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन भी दिखा जून में ऐसी तीसरी घटना

सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर के शहीदों की जानकारी छिपाई

नई दिल्ली । ऑपरेशन सिंदूर में भारत के 6 शहीद जवानों के नाम सार्वजनिक करने के बाद विवाद हो गया है। कांग्रेस ने सरकार पर शहीदों के नाम छिपाने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा कहा, 'सरकार ने इन जवानों की शहादत एक साल तक सार्वजनिक नहीं की। उन्हें वह सम्मान नहीं मिला, जिसके वे हकदार थे।' उन्होंने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के संसद में दिए गए एक बयान का वीडियो X पर शेयर किया। इसमें राजनाथ सिंह ने एक सवाल के जवाब में कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर में किसी को नुकसान नहीं पहुंचा।

खेड़ा ने कहा, 'दो ही संभावनाएं हैं। या तो रक्षा मंत्री को उस समय छह जवानों की शहादत की जानकारी नहीं थी या उन्होंने संसद को गुमराह किया। दोनों ही स्थितियां गंभीर हैं।'

एमपी में बिजली गिरने से 4 की मौत मानसून 22 राज्यों में पहुंचा

राजस्थान में पारा 43 डिग्री सेल्सियस पार

अलर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

भोपाल/जयपुर/लखनऊ/पटना । देश के 6 राज्यों उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली के कई इलाकों में प्री-मानसून बारिश जारी है। हालांकि, सात राज्यों में तेज गर्मी पड़ रही है। उत्तर प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा में पारा 43C से ज्यादा दर्ज किया गया।

मध्य प्रदेश में आंधी और बारिश के बीच शनिवार को बिजली गिरने से 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि 7 लोग झुलस गए। शिवपुरी में तेज हवा से कई जगह पेड़ और बिजली के खंभे उखड़ गए। एक ढाबा और मकान ढह गया। कार, बाइक और पेट्रोल पंप को नुकसान पहुंचा। रतलाम में बारिश से सड़कों और अंडरब्रिज में पानी भर गया। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में भी बिजली गिरने से एक किसान की मौत हो गई।

>> (शेष पेज 06 पर)

- मध्य प्रदेश के पांढुर्णा में खेत में काम कर रहे युवक पर बिजली गिर गई।
- राजस्थान के श्रीगंगानगर में बारिश के बाद सड़क पर पानी भर गया।

अखिलेश बोले-चढ़ावा चोरी के तार महाराष्ट्र से जुड़े, अखिलेश यादव और सीएम योगी में प्रहार

'नेशन नहीं डोनेशन पर हैं भाजपा की निगाहें'

अखिलेश बोले- संविधान को बदलने के लिए सांसदों को तोड़ रह

अखिलेश यादव ने कहा कि जब जनता ने यह बात समझ ली कि ये लोग संविधान बदल देंगे, तो भारतीय जनता पार्टी को हरा दिया। अब वही हारे हुए लोग साजिश करके चालबाजी और धोखेबाजी से संस्थाओं के माध्यम से सांसदों को तोड़ रहे हैं। वो संविधान को बदलना चाहते हैं। इस साजिश को देश की जनता कभी भी स्वीकार नहीं करेगी। बता दें, अखिलेश यादव ने यह टिप्पणी उस समय की, जब राम जन्मभूमि ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा ने राम मंदिर दान गबन मामले में नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। वहीं इस मामले में गिरफ्तार आठ आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इनमें अविनाश शुक्ला, अंकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा, मनीष कुमार यादव, करुणेश पांडेय, रामाशंकर मिश्रा, सुभाष श्रीवास्तव और रामाशंकर उर्फ टिन्नू शामिल हैं।

योगी बोले- अखिलेश पश्चाताप करें

वार - पलटवार

9 साल में कोई गुंडागर्दी नहीं, कर्फ्यू नहीं

योगी ने कहा- जहां सुरक्षा न हो, उपद्रव हो, दंगा हो, महीनों कर्फ्यू रहता हो, वहां विकास की कल्पना भी नहीं की जा सकती। 2017 से पहले यही हालत थे। मथुरा के जवाहरबाग की घटना, कोसीकलां का दंगा, मेरठ-अलीगढ़ के दंगे, मुजफ्फरनगर के दंगे, इसके उदाहरण हैं। नौजवानों ... ौकरी से हाथ धोना पड़ता था। प्रदेश बदनाम होता था। अब 9 साल में कोई गुंडागर्दी नहीं, कर्फ्यू नहीं।

12 हजार मुहर्रम जुलूस निकले, कोई दंगा नहीं, कोई उपद्रव नहीं

योगी ने कहा- अब मुहर्रम के नाम पर सड़कों पर उपद्रव नहीं होता। पहले तलवा-रबाजी के नाम पर राह चलते लोगों को हमले कर दिए जाते थे। ताजिए के नाम पर गरीब की झोपड़ी हटा दी जाती थी। किसी का छज्जा तोड़ दिया जाता था। हाईटेंशन तार हटा दिए जाते थे।

उन्होंने कहा- सरकार ने नई व्यवस्था बनाई।

>> (शेष 06 पर)

प्रहार

तमसा संकेत, एजेंसी

हाथरस, प्रयागराज । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाथरस में जनसभा के दौरान समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि अयोध्या को धार्मिक नगरी बनाने की बात करने वालों को पहले अपना इतिहास देखना चाहिए। जिनकी सरकार में रामभक्तों पर गोलियां चलीं, कांवड़ यात्रा पर रोक लगी और कृष्ण जन्माष्टमी जैसे धार्मिक आयोजनों तक को दबाने की कोशिश हुई। आज जब राम भक्तों के परिश्रम और पुरुषार्थ से प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अयोध्या अब त्रेता युग का स्मरण करा रही है, तो इनके भी मुंह में पानी आने लग गया है।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव रविवार को प्रयागराज पहुंचे। यहां उन्होंने राम मंदिर कब जाएंगे, इस पर जवाब दिया। अखिलेश ने कहा कि इटावा में केदारेश्वर मंदिर बनते ही हम मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के दर्शन करने जाएंगे।

>> (शेष पेज 06 पर)

अखिलेश बोले- भाजपा ने 10 साल में आरक्षण घोटाला किया

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की सरकार को 10 साल हो रहे हैं। इस दौरान भर्ती परीक्षा में संविधान के तहत जो अधिकार मिलता है, वह नहीं दिया गया। जबकि सरकार बड़े-बड़े दावे करती है।

- योगी ने अखिलेश को कृष्ण जन्मभूमि पर बोलने को कहा।
- सपा पर रामभक्तों पर गोली चलाने का आरोप लगाया।
- अयोध्या की पहचान पर राजनीति न करने की सलाह दी।
- योगी ने हाथरस में 548 करोड़ रुपए की 143 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास किया।

अयोध्या अपनी पहचान के लिए आप पर मोहताज नहीं

सीएम ने कहा, अखिलेश में हिम्मत नहीं। क्यों कि मुल्ला और मोलबियों के सामने घुटने टेकने के सिवाय उनके पास कोई ऐसा एजेंडा नहीं जो प्रदेश के विकास के लिए हो। अयोध्या, मथुरा या काशी के उत्थान के लिए हो, उनकी पहचान को पौराणिक पहचान दिलाने के लिए हो। ये धूल झोंकने का काम मत करो। >> (शेष पेज 06 पर)

सोनम वांगचुक ने शुरू की जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल

नीट पेपर लीक पर धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग

प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। लद्दाख के सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने रविवार को जंतर-मंतर पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू की। NEET पेपर लीक और CBSE की गड़बड़ियों के विरोध में जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन का आज 9वां दिन है।

CJP पिछले 20 जून से केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रही है। भूख हड़ताल शुरू होते ही जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारी और स्टूडेंट जुटने लगे। प्रदर्शन में कई किसान नेता भी शामिल हुए। भूख हड़ताल शुरू करने से पहले सोनम वांगचुक और पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। इससे पहले पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा था कि शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे तक हमारा आन्दोलन जारी रहेगा। लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने के लिए आंदोलन कर रहे सोनम वांगचुक 170 दिन से वे जोधपुर जेल में थे।

- सोनम वांगचुक 170 दिन जोधपुर जेल में रहे

सऊदी अरब में हेलिकॉप्टर क्रैश, 14 लोगों की मौत

मरने वाले सभी सऊदी के नागरिक

दुर्घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । सऊदी अरब के रास तनुरा में रविवार को दुनिया की सबसे बड़ी तेल कंपनी अरामको का हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। हादसे में हेलिकॉप्टर सवार सभी 14 लोगों की मौत हो गई।

सऊदी प्रेस एजेंसी (SPA) के मुताबिक, हेलिकॉप्टर में सवार सभी लोग सऊदी अरब के ही नागरिक थे। हालांकि, क्रैश की वजह की जानकारी अभी सामने नहीं आई है। अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं। सऊदी अरामको दुनिया की सबसे बड़ी तेल और गैस कंपनियों में से एक है। यह सऊदी अरब सरकार के स्वामित्व में है। इसकी स्थापना 1933 में अमेरिकी कंपनियों के साथ समझौते के तहत हुई थी।

1980 में यह पूरी तरह सऊदी सरकार के नियंत्रण में आ गई।

>> (शेष पेज 06 पर)

- हेलिकॉप्टर दुनिया की सबसे बड़ी तेल कंपनी अरामको का था

मानसून 16 दिन से अटका, लेकिन अब असर शुरू, 61 जिलों में लू की भी चेतावनी

यूपी के 10 शहरों में तेज बारिश, 20 में अलर्ट

मौसम विभाग का कहना है कि मानसून 16 दिन से यूपी-बिहार बॉर्डर पर अटका है। लेकिन, अब मानसूनी सिस्टम एक्टिव हुआ है। इसका असर शुरू हो गया। एक-दो दिन में मानसून यूपी में एंट्री कर सकता है। इसके बाद प्रदेश में मानसूनी बारिश शुरू हो जाएगी।

अमेठी में शनिवार देर रात तेज बारिश हुई। करीब 1 घंटे हुई बारिश से पारे में 5 डिग्री की गिरावट आई।

राहत

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/वाराणसी। यूपी में मौसम के उतार-चढ़ाव का सिलसिला जारी है। रविवार सुबह लखनऊ, महराजगंज और संभल में बारिश हुई। हल्की ठंडी हवाओं की वजह से गर्मी में राहत है। प्रयागराज, आगरा, बाराबंकी, सीतापुर, हरदोई समेत आसपास के इलाकों में बादल छाए हैं। बीच-बीच में धूप निकल रही है। इससे पहले, शनिवार देर रात लखनऊ, कानपुर, बाराबंकी, उन्नाव, फतेहपुर, जालौन और बहराइच में झमाझम बारिश हुई। फतेहपुर में आंधी से पेड़ सड़क पर गिर गया। इससे टकराकर बाइक सवार एक लड़के की मौत हो गई। एक घायल हो गया। आज यानी रविवार को 20 शहरों में आंधी-तूफान के साथ बारिश और बिजली गिरने का अलर्ट है। 61 जिलों में हीटवेव की चेतावनी भी जारी की गई है। पिछले 24 घंटे की बात करें तो प्रयागराज प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा, जहां अधिकतम तापमान 43.2°C दर्ज किया गया। इसके अलावा फतेहपुर में 42.6°C, वाराणसी में 42.5°C और बांदा में 42.6°C तापमान रिकॉर्ड किया गया। संभल के ग्रामीण क्षेत्रों में रविवार सुबह तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिश होने से मौसम ने करवट ले ली। सुबह सात बजे जनपद का तापमान 38 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, दिन में अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है, जो पिछले दो दिनों की तुलना में एक डिग्री कम रहेगा।

जालौन में शनिवार रात करीब 12.30 बजे से मौसम का मिजाज अचानक बदल गया। तेज हवाओं और आकाशीय चमक के साथ मूसलाधार बारिश हुई। करीब एक घंटे तक लगातार मूसलाधार बारिश हुई।

मानसून की एंट्री के लिए मौसमी सिस्टम एक्टिव

लखनऊ मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया-यूपी में मौसम का मिजाज बदल गया। अगर पूर्वी हवाओं का असर बना रहा तो अगले एक से दो दिन में पूर्वी यूपी के रास्ते प्रदेश में दक्षिण पश्चिम मानसून की एंट्री हो सकती है। मानसून पिछले 15-16 दिनों से यूपी बॉर्डर पर महराजगंज के पास अटका है। आमतौर पर 20 जून तक आ जाता है, लेकिन इस बार यह करीब 9-10 दिन की देरी से आगे बढ़ रहा है।

बाराबंकी में देर रात तेज बारिश, लोगों को गर्मी से राहत मिली

बाराबंकी में भीषण गर्मी के बीच शनिवार देर रात अचानक मौसम ने करवट ली। तेज बारिश शुरू हो गई। बारिश से लोगों को उमस और गर्मी से कुछ समय के लिए राहत मिली। हालांकि, सुबह होते ही तेज धूप निकलने से एक बार फिर गर्मी ने लोगों को बेहाल कर दिया।

बरेली में भीषण गर्मी, दिन भर तीखी धूप रहेगी

बरेली में आज मौसम बेहद गर्म और उमस भरा रहने वाला है। अधिकतम तापमान 41°C के करीब पहुंच सकता है। न्यूनतम तापमान 30°C रहने का अनुमान है। दिन भर तीखी धूप रहेगी और बारिश की संभावना काफी कम है। प्रयागराज में सुबह से हल्के बादल छाए हैं। बीच में हल्की धूप निकल रही। उमस भरी गर्मी ने लोगों को बेहाल कर रखा है। सुबह का तापमान 34 डिग्री सेल्सियस के करीब दर्ज किया गया।

फतेहपुर में बारिश की वजह से हादसा, एक की मौत

फतेहपुर के किशनपुर थाना क्षेत्र के बारैची मोड़ पर शनिवार रात करीब 11 बजे दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। विजयीपुर से अपने गांव बहियापुर लौट रहे दो सगे भाइयों की बाइक सड़क पर गिरे शीशम के पेड़ से टकरा गई। तेज आंधी और बारिश के कारण पेड़ सड़क पर गिर गया था। अंधेरा होने और बाइक की रफ्तार तेज होने के कारण दोनों भाई समय रहते पेड़ को नहीं देख सके। हादसे में 32 वर्षीय सुरेंद्र निर्मल की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके छोटे भाई छोटू निर्मल गंभीर रूप से घायल हो गए।

स्थानीय लोगों ने घायल को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

फास्ट न्यूज

पहले दिन 2.85 लाख बच्चों को पिलाई गई पोलियो ड्रॉप

वाराणसी । वाराणसी में रविवार से पल्स पोलियो अभियान की शुरुआत हो गई। पहले दिन जिले के 1805 बूथों पर 2.85 लाख से ज्यादा बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई गई। अभियान का शुभारंभ शिवपुर स्थित कंपोजिट विद्यालय में राज्य प्रतिरक्षण अधिकारी और मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बच्चों को पोलियो ड्रॉप पिलाकर किया।

प्रयागराज में 518 पुलिसकर्मियों के ट्रांसफर

प्रयागराज। प्रयागराज पुलिस कमिश्नरेट में 112 पीआरवी में तैनात 518 पुलिसकर्मियों का बड़े पैमाने पर इंटरनल तबादला किया गया है। इनमें एसआई, हेड कांस्टेबल और सिपाही शामिल हैं। ये पुलिसकर्मी तीन से छह साल से एक ही जगह तैनात थे। शिकायतों और खराब परफॉर्मेंस के बाद पुलिस कमिश्नर ने कार्रवाई की। जांच के बाद सभी पुलिसकर्मियों को अलग-अलग थानों की पीआरवी में भेज दिया गया। शहर में तैनात कई पुलिसकर्मियों को देहात भेजा गया, जबकि गंगापार में तैनात जवानों को यमुनापार में पोस्टिंग दी गई।

वाराणसी में खुले मेनहोल पर सख्त हुआ नगर निगम

वाराणसी। वाराणसी नगर निगम क्षेत्र में मानसून के पहले खुले और क्षतिग्रस्त मेनहोल को सही कराने के नगर आयुक्त ने सख्त निर्देश दिए हैं। पिछले मानसून में हुई दुर्घटनाओं को ध्यान में रखते हुए ऐसे सभी पॉइंट्स को चेक करवाकर दुरुस्त करने नगर आयुक्त ने संबंधित को निर्देश दिया है। यदि कोई दुर्घटना हुई तो संबंधितों पर कार्रवाई होगी।

छत्रपति शाहूजी महाराज की जयंती धूमधाम से मनाई गई

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। कस्बा के हनुमान चौराहे पर बने अंबेडकर पार्क में रविवार को महान समाज सुधारक, शिक्षाविद एवं प्रगतिशील शासक छत्रपति शाहूजी महाराज की जयंती श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं गणमान्य लोगों ने भाग लेकर शाहूजी महाराज के चित्र पर पुष्प अर्पित किए तथा उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि शेखर हयारण ने कहा कि छत्रपति शाहूजी महाराज ने समाज के वंचित, शोषित एवं पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए ऐतिहासिक कार्य किए। उन्होंने शिक्षा, सामाजिक समानता और न्याय को बढ़ावा देने के लिए अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए, जिनसे आज भी समाज प्रेरणा लेता है। समाजसेवी राकेश कुमार वर्मा ने कहा कि शाहूजी महाराज का जीवन सामाजिक समरसता, शिक्षा और समान अधिकारों के लिए समर्पित रहा। उन्होंने सभी से उनके आदर्शों को अपनाकर समाज में भाईचारा और समानता की भावना को मजबूत करने का आह्वान किया। इस अवसर पर शिवकांत मौर्य, सामाजिक कार्यकर्ता कमलेश बाबू, मनीष कुमार (विधानसभा अध्यक्ष रामनगर), प्रधान सुनील मौर्य, राजेश कुमार मास्टर, पूर्व प्रधान महादेव, रामओतार, रमेश पटेल, हरिनंदन सिंह, जिला प्रवक्ता धर्मेंद्र एवं अनुज कुमार सहित अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

संभल के एसपी बन साइबर ठगी की कोशिश

गोरखपुर । गोरखपुर में संभल SP KK बिश्नोई बनकर साइबर जालसाजों ने ठगी करने की कोशिश की। उन्होंने शहर के एक व्यापारी को SP के फर्जी फेसबुक एकाउंट से फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजा।

एक्सेप्ट करने पर मैसेज के जरिए खुद को KK विश्नोई बताते हुए अपने किसी रिश्तेदार का गोरखपुर से ट्रांसफर होने की बात कही। और उनके पुराने फर्नीचर को कम दामों में खरीदने के लिए कहा।

इसके लिए व्यापारी से 85 हजार रुपए ऑनलाइन भेजने की मांग की। जिससे व्यापारी को शक हुआ और उन्होंने तत्काल SP को काल करके जानकारी ली। तब मामले का खुलासा हुआ।

जानकारी के अनुसार शनिवार को चैंबर आफ टेक्सटाइल्स के अध्यक्ष राजेश नेभानी के फेसबुक अकाउंट पर संभल के पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के नाम से फ्रेंड रिक्वेस्ट आई। रिक्वेस्ट स्वीकार करने के बाद मैसेंजर पर बातचीत शुरू हुई।

नगर निगम के खिलाफ प्रदर्शन

पार्क के फुटपाथ पर बनवा रहा 60 से ज्यादा स्थायी दुकानें, लोग बोले- बुलडोजर चले

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ के आशियाना स्थित एलडीए कॉलोनी के गौतम बुद्ध पार्क की बाउंड्री के किनारे फुटपाथ पर नगर निगम अवैध रूप से पक्का निर्माण करवा रहा है। इसके विरोध में स्थानीय लोग जमकर प्रदर्शन किया। रविवार को लोग पार्क के बाहर इकट्ठा होकर प्रदर्शन करने लगे। लोगों का कहना था कि पहले विरोध के बाद नगर निगम ने इसका निर्माण कार्य रोक दिया था। अब कुछ दिन बाद फिर से अवैध निर्माण शुरू कर दिया गया। करीब डेढ़ करोड़ रुपए की लागत से 60 से अधिक दुकानें मॉडल वेंडिंग जोन लिए बनाई जा रही हैं। दुकानों के लिए पक्की दीवार, सीमेंट और सरिया से बने पिलर और बीम को खड़ा कर दिया गया है। अधिकारी इसे अस्थायी निर्माण बता रहे हैं। इस पक्के निर्माण पर बुलडोजर चलना चाहिए। नगर निगम के जोनल अधिकारी लोगों के बीच पहुंच गए हैं। वह लोगों से बात कर रहे हैं। लोग बस एक ही बात पर अड़े हैं कि पार्क के चारों तरफ यह निर्माण कार्य बंद कराया जाए। फुटपाथ पूरी तरह मुक्त होना चाहिए।

जोनल अधिकारी विकास सिंह ने लोगों को आश्वासन दिया कि फिलहाल वेंडिंग जोन बनाने का काम नहीं होगा। कल आप लोगों की मांगों की समीक्षा करके आपको बता दिया जाएगा। इसके बाद लोगों ने प्रदर्शन बंद कर दिया। लोग अपने घरों को लौट गए।

एलडीए की चिट्ठी के बावजूद नहीं रुका काम

स्थानीय लोगों के विरोध पर लखनऊ विकास प्राधिकरण ने नगर निगम को करीब 12 दिन पहले पत्र लिखकर इस रोक लगाने को कह दिया था। इसके बावजूद अवैध रूप से निर्माण जारी है। लोगों का कहना है कि फुटपाथ पर स्थायी वेंडिंग जोन बनने से आम रास्ता बंद हो जाएगा। पास में अस्पताल और स्कूल हैं, इनका भी रास्ता बंद हो जाएगा। यहां ट्रैफिक की समस्या हो जाएगी। ऐसे निर्माण पर बुलडोजर चलना चाहिए। स्थानीय पार्षद का कहना है कि मामला गलत घसीटा जा रहा है।

सरकारी जमीन पर अवैध रूप से बनाई गई, कोरोना काल में रातों-रात बना दिए थे गुंबद

2 बुलडोजर से तोड़ी जा रही मजार

तमसा संकेत, एजेंसी

लोनी के एसडीएम और तहसीलदार को पूरा मामला बताया। जहां जांच में आया कि यह सरकारी जमीन पर मजार का निर्माण अवैध तरह से किया गया था।

गाजियाबाद। गाजियाबाद के ट्रोनिका सिटी में रविवार दोपहर को पुलिस प्रशासन ने मजार पर बुलडोजर चला दिया। यहां सुरक्षा के मद्देनजर 650 जवान पुलिस के और 2 कंपनी पीएसी तैनात की गई है। इससे पहले डीएम रविंद्र कुमार मांदड़ ने सरकारी जमीन पर अवैध निर्माण की शिकायत मिली थी। डीसीपी सुरेंद्रनाथ तिवारी ने बताया कि एक हजार पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। यहां पीएसी भी तैनात की गई है। मजार और आसपास सरकारी भूमी है। इस जमीन की कीमत करोड़ों रुपये में है। यहां आसपास के लोगों के पहुंचने पर रोक लगाई है। जहां आसपास भी फोर्स तैनात की गई है। पुलिस प्रशासन ने 2 बुलडोजर लगाकर मजार को तोड़ना शुरू किया है।

कोरोना के समय रात में बनाए थे गुंबद

डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्रनाथ तिवारी ने बताया कि औद्योगिक क्षेत्र ट्रांस दिल्ली के सेक्टर सी-8 की जमीन गांव लुत्फुल्लापुर में है। 23 नवंबर 1989 को इस जमीन का अधिग्रहण किया गया था। इसके बाद यहां अवैध तरह से मजार का निर्माण करा दिया। जहां मुस्लिम समुदाय के लोग मजार पर मत्था टेकने जाते थे। 31 मई 2017 को भी मजार के अतिक्रमण हटाने के लिए एसएसपी द्वारा नोटिस दिया गया था। 2021 में कोरोना के समय रात में चोरी छिपे मजार की गुंबद भी बना दी। जिसके बाद यहां और भी अतिक्रमण बढ़ गया। पूर्व कई बार इस अतिक्रमण को हटाने के लिए पत्र भी लिखे गए।

गोरखपुर में भाजपा महानगर प्रशिक्षण वर्ग का समापन

गोरखपुर । गोरखपुर में भाजपा महानगर प्रशिक्षण वर्ग का रविवार को समापन हो गया। दूसरे दिन की शुरुआत योग, शाखा और प्रार्थना से हुई। इसके बाद पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डा. रमापति राम त्रिपाठी ने समापन सत्र को संबोधित किया। सभी सत्रों में कार्यकर्ताओं ने क्या सीखा, यह जानने के लिए आनलॉइन परीक्षा ली गई। लगभग 175 कार्यकर्ता व्यावहारिक प्रशिक्षण के तहत 3 लग्जरी बसों से अयोध्या का विकास देखने गए हैं। वहां वे श्रीराम मंदिर में दर्शन-पूजन भी करेंगे। इस दौरे के दौरान कार्यकर्ताओं को प्रदेश सरकार के विकास कार्यों से रूबरू कराया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर 175 कार्यकर्ताओं को 3 एसी वॉल्वो बसों से अयोध्या ले जाया गया है। वहां वे श्रीराम मंदिर के दर्शन करने के साथ विकास परियोजनाओं का भी अवलोकन करेंगे। महानगर प्रशिक्षण वर्ग की शुरुआत शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने की थी।

यूपीएसएसएससी परीक्षा में रितेश वर्मा ने हासिल की सफलता

होम्योपैथिक फार्मासिस्ट पद पर हुआ चयन

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) द्वारा आयोजित भर्ती परीक्षा में सूरतगंज ब्लॉक क्षेत्र के जफरपुर गांव निवासी किसान किढ़ीलाल के पुत्र रितेश कुमार वर्मा ने उल्लेखनीय सफलता हासिल करते हुए होम्योपैथिक फार्मासिस्ट के पद पर चयनित होकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। रितेश की इस उपलब्धि से परिवार के साथ-साथ पूरे गांव और क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई है। शुभचिंतकों एवं ग्रामीणों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।रितेश बचपन से ही मेधावी, अनुशासित और मेहनती छात्र रहे हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने लगातार मेहनत और लगन के बल पर यह मुकाम हासिल किया। उनकी सफलता ने क्षेत्र के अन्य युवाओं को भी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए प्रेरित किया है। वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. अजीत कुमार सिंह ने बताया कि रितेश शुरू से ही पढ़ाई के प्रति गंभीर और अपने दायित्वों के प्रति बेहद जिम्मेदार रहे हैं। उन्होंने कहा कि कठिन परिश्रम, आत्मविश्वास और निरंतर प्रयास का ही परिणाम है कि आज रितेश को यह महत्वपूर्ण सफलता मिली है। उन्होंने विश्वास जताया कि रितेश भविष्य में भी अपनी सेवाओं से समाज और स्वास्थ्य विभाग का नाम रोशन करेंगे। चयनित रितेश कुमार वर्मा ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, गुरुजनों एवं मार्गदर्शक डॉ. अजीत कुमार सिंह को दिया।

हादसा : सिर कटकर अलग, एक बेटा टीचर-दूसरा जेई, बाराबंकी में हादसा

मॉर्निंग वॉक पर निकली महिला की गर्दन से ट्रक निकला

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी में तेज रफ्तार ट्रक ने एक रिटायर्ड आयुर्वेदिक फार्मासिस्ट की पत्नी को रौंद दिया। ट्रक का अगला पहिया उनकी गर्दन से गुजर गया, जिससे उनका सिर धड़ से अलग हो गया। हादसे में महिला की मौके पर ही मौत हो गई।

रविवार सुबह करीब 5:30 बजे जिला मुख्यालय से 40 किलोमीटर दूर रामनगर-बदोसराय मार्ग पर यह हादसा हुआ। मॉर्निंग वॉक से लौट रहीं महिला घर से करीब 200 मीटर दूर थीं, तभी पीछे से आए ट्रक ने उन्हें कुचल दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। वहीं, ट्रक चालक को घटना स्थल से करीब 11 किलोमीटर दूर हिरासत में ले लिया गया। ट्रक में सीमेंट की बोरियां लदी मिली हैं। महिला लोधपुरवा गांव की रहने वाली हैं। एक बेटा सरकारी टीचर है जबकि दूसरा बेटा जेई है। रामनगर थाना क्षेत्र के लोधपुरवा गांव निवासी फूलमती वर्मा (62) पत्नी पारस नाथ वर्मा (65) रविवार सुबह करीब पांच बजे मॉर्निंग वॉक के लिए निकली थीं। करीब 5:30 बजे वह वापस लौट रही थीं। इसी दौरान कटका नाला पुल के पास पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें कुचल दिया। हादसे में उनका शरीर बुरी तरह कुचल गया। अगला पहिया गर्दन से गुजरने की वजह से सिर धड़ से अलग हो गया। मौके पर ही उनकी मौत हो गई। आसपास के ग्रामीणों ने घटना की जानकारी परिजनों और पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

फूलमती के बेटे जितेंद्र वर्मा ने बताया कि उन्हें सुबह दुर्घटना की सूचना मिली। उन्होंने बताया कि घर से करीब 200 मीटर दूर कटका नाला पुल के पास ट्रक ने उनकी मां को कुचल दिया।

महिला के पति और दोनों बेटे सरकारी नौकरी में

फूलमती वर्मा के पति आयुर्वेदिक विभाग में फार्मासिस्ट रहे हैं। वह करीब 8 साल पहले रिटायर हुए थे। जबकि दोनों बेटे जितेंद्र वर्मा और पुष्पेंद्र वर्मा सरकारी नौकरी में हैं। जितेंद्र सरकारी टीचर हैं और रामनगर ब्लॉक के बिछलखा विद्यालय में तैनात हैं। छोटा बेटा पुष्पेंद्र वर्मा ग्रामीण अभियंत्रण विभाग (आरईएस) में जूनियर इंजीनियर के पद पर सीतापुर में कार्यरत है। फूलमती वर्मा गृहिणी थीं।

कोतवाल अरुण प्रताप सिंह ने बताया-फरार ट्रक और उसके चालक को घटना स्थल से करीब 11 किलोमीटर दूर पकड़ लिया गया। ट्रक को जब्त कर चालक को हिरासत में ले लिया गया है।

पुलिस अफसरों को रिश्वतखोर कहने वाले सिपाही की नौकरी गई

लखनऊ में तैनात थे सुनील शुक्ला, कहा- सच बोलने का इनाम मिला

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। पुलिस अधिकारियों को 'काले अंग्रेज' बताने वाले सिपाही सुनील कुमार शुक्ला को रविवार को बर्खास्त कर दिया गया। सुनील ने वीडियो जारी कर पुलिस विभाग में भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा था कि पुलिस विभाग को 'काले अंग्रेज' चला रहे हैं और पुलिस लाइन में ड्यूटी लगाने के नाम पर वसूली की जाती है।

सिपाही के आरोपों के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया था। मामले की जांच के लिए पुलिस कमिश्नर ने 7 मई 2026 को एक समिति गठित की थी। जांच समिति के अनुसार, सुनील अपने आरोपों के समर्थन में कोई ठोस साक्ष्य पेश नहीं कर सके। उधर, कार्रवाई के बाद बर्खास्त सिपाही ने कहा, ₹आज मुझे सच बोलने का इनाम मिला है। जांच कमेटी के अनुसार, सिपाही सुनील ने वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ सार्वजनिक रूप से निराधार आरोप लगाए, जिससे विभाग की छवि प्रभावित हुई। साथ ही, अधिकारियों के प्रति अमर्यादित भाषा का प्रयोग कर पुलिस बल में अनुशासनहीनता को बढ़ावा दिया। जांच अधिकारियों के सामने वे कोई साक्ष्य भी नहीं पेश कर सके। विभागीय जांच में यह भी सामने आया कि उन्होंने बिना विभागीय अनुमति सोशल मीडिया का उपयोग किया, जो उत्तर प्रदेश सोशल मीडिया नीति-2023, उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक आचरण नियमावली-1956 के नियम 3, 6, 7 और 27 तथा उत्तर प्रदेश वर्दी विनियम के प्रावधानों का उल्लंघन है। पुलिस कमिश्नरेट ने बताया कि गंभीर दुराचार सिद्ध होने पर सुनील कुमार शुक्ला को सेवा से बर्खास्त किया गया है। विभाग ने स्पष्ट किया कि अनुशासन, सेवा नियमों और सोशल मीडिया नीति के उल्लंघन के मामलों में आगे भी कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी। लखनऊ में तैनात कांस्टेबल सुनील कुमार शुक्ला ने विभाग के अधिकारियों, खासकर आईपीएस अधिकारियों पर भ्रष्टाचार और अवैध वसूली के गंभीर आरोप लगाए थे।

पांच और तीन किलोमीटर की दौड़ में खिलाड़ियों ने किया शानदार प्रदर्शन

राम के नाम दौड़ी युवा ताकत

आयोजन

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। रविवार की सुबह अंबेडकरनगर में खेल और अनुशासन का अनूठा संगम देखने को मिला। क्रीड़ा भारती के तत्वावधान में आयोजित 'रन फॉर राम' प्रतियोगिता में जिले समेत पूर्वांचल के कई जनपदों से पहुंचे धावकों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में युवाओं, किशोरों और बालिकाओं की सक्रिय भागीदारी ने आयोजन को खास बना दिया। फव्वारा तिराहा पर भगवान श्रीराम के पूजन के बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक कौशल ने हरी झंडी दिखाकर दौड़ को रवाना किया। इसके साथ ही शहर की सड़कों पर धावकों का

> क्रीड़ा भारती के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधान परिषद सदस्य अवनीश कुमार सिंह ने कहा कि अयोध्या से शुरू हुआ 'रन फॉर राम' अब लगातार विस्तार पा रहा है। यह आयोजन भगवान श्रीराम से जुड़े विभिन्न स्थानों तक पहुंच चुका है और इसे आगे व्यापक स्तर पर आयोजित करने की योजना है।

जोश और ऊर्जा देखने लायक रही। समापन समारोह में प्रांत प्रचारक कौशल ने कहा कि स्वस्थ शरीर किसी भी समाज की सबसे बड़ी ताकत है। नियमित व्यायाम और खेल गतिविधियां बेहतर जीवनशैली की आधारशिला हैं। उन्होंने क्रीड़ा भारती की जिला इकाई के प्रयासों की सराहना करते हुए अंबेडकरनगर में

पूर्वांचल के कई जिलों से पहुंचे खिलाड़ी

प्रतियोगिता में अंबेडकरनगर के अलावा प्रयागराज, प्रतापगढ़, वाराणसी, बस्ती, अयोध्या, सुल्तानपुर, आजमगढ़, देवरिया और हरदोई के खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों को एनटीपीसी की ओर से टी-शर्ट उपलब्ध कराई गई। आयोजन के सफल संचालन में यातायात पुलिस, जिला क्रीड़ा अधिकारी मंजूर अहमद, शिक्षा विभाग और युवा कल्याण विभाग ने सहयोग किया।

जल्द सप्ताहभर के खेल महोत्सव के आयोजन की घोषणा भी की। बालक वर्ग में शुभम यादव ने पहला स्थान हासिल कर 11 हजार रुपये का नकद पुरस्कार जीता। कुलदीप यादव दूसरे और राजकुमार तीसरे स्थान पर रहे।

बालक वर्ग ने पांच, बालिका वर्ग ने तीन किलोमीटर की दौड़ पूरी

बालक वर्ग के प्रतिभागियों ने राम पथ चौराहा से मालीपुर रोड स्थित संगिनी मैरिज हाल तक जाकर वापस लौटते हुए करीब पांच किलोमीटर की दूरी तय की। वहीं बालिका वर्ग की प्रतिभागियों ने तीन किलोमीटर की दौड़ पूरी कर अपनी फिटनेस और प्रतिभा का परिचय दिया। पूरे मार्ग पर व्यवस्थाएं पहले से सुनिश्चित की गई थीं, जिससे प्रतियोगिता सुचारु रूप से संपन्न हुई।

बालिका वर्ग में किरन वर्मा ने पहला, मुस्कान प्रजापति ने दूसरा और स्नेहा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

रक्तदान सेवा को मिला राष्ट्रीय सम्मान

दो रक्तवीर लखनऊ में हुए सम्मानित

विश्व रिकॉर्ड से जुड़े अभियान में उत्कृष्ट योगदान पर मिला सम्मान

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिले के दो रक्तदान कार्यकर्ताओं को रक्तदान और जनजागरूकता के क्षेत्र में किए गए योगदान के लिए लखनऊ में सम्मानित किया गया। डॉ. भीमराव आंबेडकर यूनिवर्सिटी में आयोजित कार्यक्रम में कलाकारों और कार्यकर्ताओं का राष्ट्रीय एकीकृत मंच (नीफा) की ओर से अंतरराष्ट्रीय रक्तदान एवं जागरूकता अभियान के तहत उत्कृष्टता का विश्व रिकॉर्ड बनाए जाने के अवसर पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में टांडा निवासी मनप्रीत सिंह उर्फ अंशु बग्गा और अकबरपुर के शास्त्रीनगर निवासी शशांक शेखर को प्रशस्ति पत्र और शील्ड देकर सम्मानित किया गया। दोनों को लगातार रक्तदान शिविर आयोजित करने और जरूरतमंद

मरीजों तक समय पर रक्त उपलब्ध कराने के प्रयासों के लिए यह सम्मान दिया गया।

सम्मान समारोह में महिला आयोग की अध्यक्ष बबिता सिंह चौहान और राज्य मंत्री, लघु उद्योग निगम लिमिटेड वैश्य नटवर गोयल ने दोनों रक्तवीरों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने और अधिक से अधिक लोगों को इस अभियान से जोड़ने पर भी जोर दिया गया।

मनप्रीत सिंह उर्फ अंशु बग्गा अपनी संस्था 'पंख' के माध्यम से जिले में नियमित रूप से रक्तदान शिविर आयोजित कर रहे हैं। संस्था जरूरत पड़ने पर रक्तदाताओं को मरीजों से जोड़ने का भी कार्य कर रही है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार संस्था के प्रयासों से अब तक एक हजार से अधिक जरूरतमंद लोगों को रक्त उपलब्ध कराया जा चुका है।

शशांक शेखर भी जिले में रक्तदान जागरूकता अभियान से जुड़े हैं और रक्तदान शिविरों के आयोजन में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

फास्ट न्यूज

निर्माणाधीन आयुर्वेद अस्पताल की गुणवत्ता पर उठे सवाल

अंबेडकरनगर। भीटी तहसील क्षेत्र के महमदपुर चपरा मजरे के बरहा में निर्माणाधीन राजकीय आयुर्वेद अस्पताल की गुणवत्ता को लेकर स्थानीय लोगों ने सवाल उठाए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि भवन निर्माण में मानकों के अनुरूप सामग्री का उपयोग नहीं किया जा रहा है। उनका कहना है कि निर्माण कार्य में घटिया ईंट, सफेद बालू और निम्न गुणवत्ता की अन्य सामग्री का इस्तेमाल किया जा रहा है।

रामनगर में 400 मरीजों को मिला निःशुल्क उपचार

अंबेडकरनगर। आलापुर तहसील क्षेत्र के रामनगर में रविवार को डॉ. सुबेदार राय चैरिटेबल ट्रस्ट और प्रतीक क्लिनिक के संयुक्त तत्वावधान में विशाल निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में करीब 400 मरीजों की स्वास्थ्य जांच की गई। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने परामर्श देने के साथ आवश्यक दवाएं भी निःशुल्क उपलब्ध कराईं।

शिविर में हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. आलोक पाण्डेय और फिजिशियन डॉ. आशुतोष शुक्ला सहित चिकित्सकों की टीम ने मरीजों का परीक्षण किया।

गाजियाबाद में मना हिंदवी स्वराज दिवस

गाजियाबाद । गाजियाबाद के राकेश मार्ग स्थित गोविंद पार्क में रविवार को हिंदवी स्वराज दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में राष्ट्रभक्त नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और युवाओं ने हिस्सा लिया। इस दौरान छत्रपति शिवाजी महाराज के शौर्य, पराक्रम और हिंदवी स्वराज के संकल्प को श्रद्धापूर्वक नमन किया गया।

अकबरपुर फायर स्टेशन पर अग्निशामक सिलेंडर बिक्री के आरोप

तमसा संकेत, संवाददाता

निजी विक्रेताओं की शिकायत के बाद मामला चर्चा में, प्रभारी बोले- नियम नहीं, शिकायत मिली तो होगी कार्रवाई

अम्बेडकरनगर। अकबरपुर स्थित फायर स्टेशन में अग्निशामक सिलेंडरों की कथित बिक्री और अनियमितताओं को लेकर नया विवाद सामने आया है। निजी विक्रेताओं की शिकायत के बाद मामला चर्चा में है। शिकायतों के आधार पर की गई पड़ताल में फायर स्टेशन के कुछ कर्मचारियों की भूमिका पर सवाल उठाए गए हैं। मामले को लेकर विभागीय जांच की मांग भी तेज हो गई है।

शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि फायर स्टेशन परिसर से ही अग्निशामक सिलेंडरों की बिक्री की जा रही है। साथ ही एनओसी से जुड़े कार्यों पर भी विशेष रूप से ध्यान दिया जा रहा है। आरोपों में फायरमैन सुनील कुमार मौर्य, राहुल मौर्य और कार्यालय कर्मचारी अभिषेक सिंह के नाम शामिल किए गए हैं। शिकायतकर्ताओं का दावा है कि फायर स्टेशन

आने वाले लोगों को वहीं से अग्निशामक सिलेंडर उपलब्ध कराए जाते हैं। आरोप यह भी है कि इस कार्य में सरकारी परिसर और वर्दी का उपयोग किया जाता है। कुछ लोगों ने परिचितों और जाति बिरादरी के लोगों को विशेष रियायत दिए जाने का भी आरोप लगाया है। पड़ताल से जुड़े दावों के अनुसार संबंधित कर्मचारी कार्यालय में बैठकर सिलेंडर बिक्री और अन्य कार्य करते दिखाई दिए। हालांकि इन दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। मामले में जब फायर स्टेशन प्रभारी एवं सब इंस्पेक्टर सचिन शर्मा से फोन पर संपर्क किया गया तो उन्होंने कहा कि फायर स्टेशन से अग्निशामक सिलेंडर बेचने का कोई नियम उनकी जानकारी में नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि जांच में इस तरह की कोई गतिविधि सामने आती है तो संबंधित कर्मचारियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की जाएगी। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए ताकि वास्तविक स्थिति सामने आ सके। पड़ताल करने वाली समाचार संस्था का दावा है कि प्रकरण से जुड़े कुछ वीडियो और अन्य साक्ष्य एकत्र किए गए हैं। संस्था के अनुसार इन साक्ष्यों के साथ पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह को शिकायत सौंपने की तैयारी की जा रही है।

दिव्यांग कार्यकर्ता से मुलाकात बनी चर्चा का विषय, आजमगढ़ से लौटते समय भेलहरा के पास हुई मुलाकात

चलते काफिले के बीच अचानक रुके अखिलेश

चर्चा

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। रविवार को पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर उस समय एक अलग तस्वीर देखने को मिली, जब समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का काफिला अचानक कुछ देर के लिए रुक गया। वजह थी सड़क किनारे मौजूद उनके दिव्यांग कार्यकर्ता जय मगन, जिनसे मिलने के लिए उन्होंने अपना काफिला रुकवाया। कुछ मिनट चली यह मुलाकात वहां मौजूद लोगों और स्थानीय कार्यकर्ताओं के बीच चर्चा का विषय बन गई।

अखिलेश यादव ने जय मगन से

उनका हालचाल पूछा और कुछ देर तक बातचीत की। इस दौरान उन्होंने उनका उत्साह बढ़ाया और हाल की गतिविधियों की जानकारी भी ली। मुलाकात के दौरान आसपास मौजूद लोग भी वहां एकत्र हो गए। कई लोगों ने इस क्षण को अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड किया।

मुलाकात के दौरान डॉ. अभिषेक सिंह सहित समाजवादी पार्टी के कई स्थानीय कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं ने इसे संगठन और कार्यकर्ताओं के बीच सीधे संवाद का उदाहरण बताया। हालांकि यह मुलाकात पूरी तरह अनौपचारिक थी,

कार्यकर्ता पर पड़ी नजर, रुक गया काफिला

जानकारी के अनुसार, अखिलेश यादव आजमगढ़ में एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने के बाद लखनऊ लौट रहे थे। इसी बीच उनके दिव्यांग कार्यकर्ता जय मगन को उनके लौटने की सूचना मिली। वह भेलहरा के पास पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर पहुंच गए और काफिले का इंतजार करने लगे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, काफिला वहां पहुंचा तो अखिलेश यादव की नजर जय मगन पर पड़ी। उन्होंने तत्काल फ्लीट रुकवाने का निर्देश दिया। वाहन से उतरकर वह सीधे कार्यकर्ता के पास पहुंचे और उनसे मुलाकात की।

> बिना किसी पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के हुई इस मुलाकात ने स्थानीय स्तर पर राजनीतिक हलकों में भी चर्चा बटोर ली। मौके पर मौजूद लोगों का कहना था कि काफिला कुछ मिनट तक रुका रहा, जिसके बाद अखिलेश यादव लखनऊ के लिए रवाना हो गए।

लेकिन एक्सप्रेस-वे पर अचानक रुके काफिले और दिव्यांग कार्यकर्ता से हुई बातचीत ने इसे पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना दिया।

अंबेडकरनगर में 3.03 लाख बच्चों तक पहुंचेगी 'दो बूंद जिंदगी की'

पोलियो पर सख्त पहरा

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिले में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ रविवार को अकबरपुर के प्राथमिक पाठशाला पसियापारा से हुआ। जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाकर अभियान की शुरुआत की। इसके साथ ही जिले के 1765 पोलियो बूथों पर एक साथ टीकाकरण अभियान शुरू हो गया।

शुभारंभ के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रमोद कुमार और अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रामानंद मौजूद रहे। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने अभियान की तैयारियों की जानकारी भी दी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रमोद कुमार ने बताया कि जिले में शून्य से पांच वर्ष आयु वर्ग के 3,03,010 बच्चों

हर पात्र बच्चे तक पहुंचने का लक्ष्य

जिलाधिकारी ने कहा कि पोलियो से बचाव का सबसे प्रभावी तरीका समय पर पोलियो की खुराक है। उन्होंने अभिभावकों से शून्य से पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की दवा अवश्य पिलाने की अपील की। उनका कहना था कि अभियान की सफलता तभी संभव है, जब कोई भी पात्र बच्चा दवा से वंचित न रहे।

को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य तय किया गया है। इसके लिए 1765 पोलियो बूथ बनाए गए हैं, जहां प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी और सहयोगी तैनात किए गए हैं।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की रही सक्रिय भागीदारी

अभियान के शुभारंभ के अवसर पर जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. मार्कण्डेय प्रसाद, जिला कुष्ठ अधिकारी डॉ. जय प्रकाश, विद्यालय स्टाफ, आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियां तथा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। अभियान के पहले दिन सभी पोलियो बूथों पर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का कार्य निर्धारित योजना के अनुसार शुरू किया गया।

अभियान के शत-प्रतिशत क्रियान्वयन के लिए प्रत्येक विकासखंड में मॉनिटरिंग टीमें गठित की गई हैं। ये टीमें बूथों और घर-घर चलने वाले अभियान की लगातार निगरानी करेंगी। साथ ही यह भी सुनिश्चित करेंगी कि जिले का कोई भी पात्र बच्चा पोलियो की जीवनरक्षक खुराक से वंचित न रहे।

सामूहिक सहयोग से बदली जिंदगी: जर्जर मकान की जगह मिला नया आशियाना

परम फाउंडेशन ट्रस्ट ने बसखारी की वृद्ध महिला को सौंपा 'परम आवास'

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। समाज के जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए कार्यरत परम फाउंडेशन ट्रस्ट ने बसखारी विकासखंड के ग्राम दसरैचा में सामाजिक सहयोग की नई मिसाल पेश की है। संस्था ने सामूहिक सहयोग से विधवा वृद्ध महिला प्रभावती राजभर के लिए नया आवास तैयार कर उन्हें सौंप दिया। लंबे समय से जर्जर मकान में रह रही महिला को अब सुरक्षित और पक्का आशियाना मिल गया है।

संस्था के अनुसार प्रभावती राजभर का मकान काफी समय से जर्जर स्थिति में था। बरसात और अन्य मौसम में उन्हें कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता था। स्थिति की जानकारी मिलने के बाद परम फाउंडेशन ट्रस्ट ने इसे प्राथमिकता में लेते हुए नया आवास बनाने का निर्णय लिया।

संस्था के अध्यक्ष धीरेंद्र पांडे और कार्यक्रम संयोजक अतुल तिवारी के नेतृत्व में सदस्यों की बैठक हुई। इसमें सर्वसम्मति से प्रभावती राजभर के लिए सामूहिक सहयोग से आवास निर्माण कराने का फैसला लिया गया। इसके बाद निर्माण कार्य शुरू हुआ और निर्धारित समय में पूरा कर लिया गया। आवास निर्माण में संस्था के सदस्य दुष्यंत, सुनील, अमन, नीरज, तालिब, बबलू, मारकंडे, जितेंद्र, अभिषेक, ऋतुराज, सत्यम समेत अन्य सदस्यों ने सक्रिय सहयोग दिया। सामूहिक प्रयासों से तैयार इस आवास को संस्था ने 'परम आवास' नाम दिया। संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि उद्देश्य ऐसे परिवारों तक सहायता पहुंचाना है, जो आर्थिक या सामाजिक कारणों से बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं। इसी सोच के साथ जरूरतमंद लोगों की पहचान कर उन्हें सहयोग उपलब्ध कराया जा रहा है। परम फाउंडेशन ट्रस्ट का कहना है कि संस्था आगे भी सामाजिक सहयोग के ऐसे कार्य जारी रखेगी। जरूरतमंद परिवारों की पहचान कर उन्हें आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य आवश्यक क्षेत्रों में सहयोग उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। संस्था का मानना है कि सामूहिक भागीदारी से समाज के कमजोर वर्गों तक प्रभावी सहायता पहुंचाई जा सकती है।

प्रेस क्लब चुनाव: उपाध्यक्ष पद की दावेदारी की ओर बढ़े बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। प्रेस क्लब के आगामी चुनाव को लेकर चुनावी गतिविधियां तेज हो गई हैं। रविवार को प्रेस क्लब भवन में उपाध्यक्ष पद के संभावित प्रत्याशी बृजेंद्र वीर सिंह ने निर्धारित प्रक्रिया के तहत तीन सेट में नामांकन पत्र प्राप्त किया। नामांकन पत्र लेने के साथ ही प्रेस क्लब चुनाव को लेकर चर्चाओं का दौर भी तेज हो गया है।

नामांकन पत्र वितरण की प्रक्रिया चुनाव संचालन समिति की निगरानी में संपन्न हुई। इस दौरान चुनाव संचालन समिति के अध्यक्ष सर्वजीत त्रिपाठी तथा समिति के पदाधिकारी प्रदीप तिवारी और अजीत सिंह मौजूद रहे। समिति ने निर्धारित नियमों के अनुसार प्रत्याशी को नामांकन पत्र उपलब्ध कराया।

बृजेंद्र वीर सिंह वर्तमान में तमसा संकेत व न्यूज 24 के ब्यूरो चीफ हैं। वह प्रेस क्लब के निवर्तमान सचिव भी रह चुके हैं। संगठनात्मक कार्यों में उनकी सक्रिय भूमिका को देखते

हुए उपाध्यक्ष पद के लिए उनकी दावेदारी चर्चा का विषय बनी हुई है।

प्रेस क्लब के चुनाव कार्यक्रम घोषित होने के बाद पत्रकारों के बीच चुनाव को लेकर उत्साह देखा जा रहा है। नामांकन प्रक्रिया शुरू होने के साथ विभिन्न पदों के संभावित प्रत्याशी भी सक्रिय हो गए हैं। प्रेस क्लब भवन में दिनभर पत्रकारों और चुनाव प्रक्रिया से जुड़े लोगों की आवाजाही बनी रही।

चुनाव संचालन समिति ने स्पष्ट किया कि नामांकन से लेकर मतदान और मतगणना तक सभी प्रक्रियाएं निर्धारित समय-सारिणी और नियमों के अनुरूप कराई जाएंगी। निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव कराना समिति की प्राथमिकता होगी।

आयोजन : इंसानियत और न्याय पर केंद्रित रहा कार्यक्रम

बसखारी में कर्बला का संदेश गूंजा

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। आजमगढ़ रोड स्थित बसखारी में बज़्मे सुख़न के तत्वावधान में "ज़िक्र शोहदा-ए-कर्बला" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजन कुमैल अहमद सिद्दीकी के संयोजन में हुआ। अध्यक्षता हकीम इरफान आजमी ने की। संचालन मोहम्मद असलम खान ने किया। शुरुआत अहमद सईद टांडवी की नाते पाक से हुई।

कार्यक्रम में कर्बला की ऐतिहासिक घटना और उससे जुड़े संदेशों पर विस्तार से विचार रखा गया। वक्ताओं ने कहा कि कर्बला केवल एक घटना नहीं, बल्कि सत्य, न्याय और इंसानियत की रक्षा का मजबूत संदेश है।

अध्यक्ष हकीम इरफान आजमी

ने कहा कि कर्बला की घटना हर दौर में समाज को सही दिशा दिखाती है। उन्होंने कहा कि यह घटना सिद्धांतों पर अडिग रहने, धैर्य रखने और अन्याय के खिलाफ खड़े होने की प्रेरणा देती है। संचालक मोहम्मद असलम खान ने कहा कि इमाम हुसैन का संदेश यह है कि अन्याय के सामने समझौता नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि यह विचार समाज में नैतिक मजबूती और एकता को बढ़ाता है। संयोजक कुमैल अहमद सिद्दीकी ने कहा कि वर्तमान समय में कर्बला की शिक्षाओं को अपनाना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि सामाजिक सौहार्द और भाईचारे को मजबूत करने में ऐसे आयोजन महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

शायरी और कलाम से भावपूर्ण हुआ माहौल

कार्यक्रम में शायरों ने कर्बला के बलिदान और इंसानियत के संदेशों को अपने कलाम के जरिए प्रस्तुत किया। इसमें इंसाफ टांडवी, डॉ. दस्तगीर टांडवी, अकरम भूलेपुरी, कमर जीलानी टांडवी, सेराज अनवर टांडवी, कुमैल डोंडवी, सईद टांडवी, मजाहिर टांडवी, सैयद फ़राज़ अशरफ और डॉ. सब्बू सहित कई साहित्यकार शामिल रहे। कलाम के दौरान शोहदा-ए-कर्बला के त्याग और संदेशों को प्रभावी ढंग से पेश किया गया। उपस्थित लोगों ने कार्यक्रम को गंभीरता से सुना।

पत्रकारों की आर्थिक सुरक्षा और सामाजिक संरक्षण पर उठी आवाज

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। पत्रकारों की आर्थिक स्थिति, सामाजिक सुरक्षा और सम्मानजनक कार्य वातावरण को लेकर मानवाधिकार संघर्ष प्रकोष्ठ के जिला उपाध्यक्ष पी.एन. मिश्र ने चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि पत्रकारों का दायित्व केवल समाचार संकलन और प्रकाशन तक सीमित नहीं है, बल्कि वे लोकतंत्र और समाज के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी की भूमिका निभाते हैं। ऐसे में उनके हितों की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए। पी.एन. मिश्र ने कहा कि पत्रकार जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाते हैं, भ्रष्टाचार और अव्यवस्थाओं को सामने लाते हैं तथा आम लोगों की आवाज को प्रशासन तक पहुंचाने का कार्य करते हैं। इसके बावजूद बड़ी संख्या में पत्रकार सीमित संसाधनों और आर्थिक चुनौतियों के बीच अपनी जिम्मेदारियां निभा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि समाज अक्सर पत्रकारों को प्रभावशाली मानता है,

मानवाधिकार संघर्ष प्रकोष्ठ के जिला उपाध्यक्ष पी.एन. मिश्र बोले- सम्मानजनक जीवन के लिए ठोस व्यवस्था जरूरी

लेकिन वास्तविकता यह है कि अनेक पत्रकार अपने परिवार के भरण-पोषण, बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए लगातार संघर्ष करते हैं। इसके बावजूद वे अपने पेशेवर दायित्वों से पीछे नहीं हटते। पी.एन. मिश्र ने कहा कि पत्रकारिता लोकतांत्रिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है।

सम्पादकीय

अमेरिका-ईरान में भिड़ंत

अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौता होने के दस दिन के अंदर ही दोनों के बीच फिर से सैन्य झड़पें शुरू हो जाना पश्चिम एशिया और साथ ही विश्व के लिए एक बुरी खबर है। अमेरिका और ईरान के बीच नए सिरे से टकराव इसलिए शुरू हुआ, क्योंकि पिछले दिनों ओमान के तट पर सिंगापुर के ध्वज वाले एक मालवाहक जहाज को निशाना बनाया गया।

हालांकि इस जहाज पर हमले में कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ, लेकिन इस हमले के पीछे ईरान का हाथ माना गया। इस हमले का नतीजा यह हुआ कि होर्मुज समुद्री मार्ग से जहाजों की निकासी का काम फिर से रोक देना पड़ा। एक अनुमान के अनुसार होर्मुज में अभी पांच सौ से अधिक जहाज फंसे हुए हैं।

ईरान की ओर से सिंगापुर के झंडे वाले जहाज को निशाना बनाए जाने का एक परिणाम यह भी हुआ कि तेल के मूल्यों में मामूली ही सही, वृद्धि भी देखी गई। ईरान ने उक्त जहाज पर हमला इसलिए किया, क्योंकि उसके अनुसार उसने उसकी कथित चेतावनी की अनदेखी की।

हालांकि अमेरिका और ईरान के बीच यह समझौता हुआ है कि 60 दिनों तक होर्मुज से जहाजों को बिना किसी शुल्क के निकलने दिया जाएगा, लेकिन इसके बाद भी ईरान इस पर अड़ा है कि इस जल मार्ग से जो भी जहाज निकलें, वे उसकी अनुमति लेकर ही निकलें।

वास्तव में ईरान इस कोशिश में है कि होर्मुज पर उसका आधिपत्य स्वीकार किया जाए। यह उसकी मनमानी के अलावा और कुछ नहीं।

होर्मुज सरीखे दुनिया के सभी समुद्री व्यापारिक मार्ग स्वतंत्र नौवहन के लिए खुले हैं। एक अंतरराष्ट्रीय संधि के अनुसार किसी देश को अपने तटवर्ती समुद्री मार्ग से किसी तरह की वसूली करने या टैक्स लेने का अधिकार नहीं है। ईरान होर्मुज के मामले में यह अधिकार जबरन हासिल करना चाहता है।

उसे यह अधिकार नहीं दिया जा सकता, क्योंकि होर्मुज पर उसका दावा उसकी दादागीरी के अलावा और कुछ नहीं। यह एक ऐसा मामला है, जिसमें ईरान के रुख का समर्थन नहीं किया जा सकता। यह ठीक है कि अमेरिका और इजरायल ने ईरान को अनावश्यक रूप से निशाना बनाया और पश्चिम एशिया की शांति को खतरे में डालने के साथ ही विश्व अर्थव्यवस्था के लिए संकट पैदा किया, लेकिन होर्मुज को अपने नियंत्रण में लेने की ईरान की कोशिश उसे खलनायक ही सिद्ध करने वाली है।

संभवतः होर्मुज पर ईरान के अनैतिक तरीके से आधिपत्य जमाने की कोशिश का जवाब देने के लिए ही अमेरिकी सेना ने उसके ठिकानों पर बमबारी की, लेकिन ईरान ने भी खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने में देरी नहीं की। अमेरिका और ईरान के बीच इस ताजा सैन्य झड़प से इसे लेकर संदेह पैदा हो गया है कि दोनों के बीच जिस शांति समझौते पर सहमति बनी, वह कितना टिकाऊ साबित होगा?

मानवता के मसीहा आचार्य श्री तुलसी

गुरुदेव तुलसी का जीवन हमको यह बात बताता है कि कलियुग में भी सतयुगी पुरुष आते हैं और अपनी ही लीक बनाते हैं। उनमें जनमानस के उत्थान की तड़प होती है । उनकी विसंगतियों से, समस्याओं से झड़प होती है और समाधान की राह निकलती है। उनको अपने मान,अपमान की परवाह नहीं होती। उनमें अपने गुणगान की , सम्मान आदि की भूख नहीं होती। वे मसीहा बनकर आते हैं, कितनों का उद्धार कर जाते हैं, कितनों का सुधार कर जाते हैं, मानवता का भंडार भर जाते हैं, और अंत में अमर हो जाते हैं। आचार्य श्री तुलसी बीसवीं सदी के उन विशिष्ट संतों में अग्रगण्य थे जिनकी दृष्टि केवल धर्म तक सीमित नहीं थी , बल्कि सामाजिक परिवर्तन के व्यापक आगमों को भी समेटती थी । उनका व्यक्तित्त्व बहुत बहुआयामी था । आध्यात्मिक साधना , नैतिक जागरण और समाजिक चेतना का अद्भुत समन्वय उनके कृतित्व में स्पष्ट दिखाईं देता हैं । उन्होंने निरन्तर यह प्रयास किया की मनुष्य अपनी अन्तर्निहित नैतिक शक्ति की पहचानकर उसे व्यक्तिगत उत्थान तथा समाज-सुधार की दिशा में प्रयोग करें । तुलना के विष को कृतज्ञभावों से काटो यानि अपने पास जो है उसके लिए कृतज्ञता भाव रखो। उनके जीवन और कार्य ने यह सिद्ध किया हैं कि सच्ची आध्यात्मिकता व्यवहार में उतरकर ही समाज को नई दिशा प्रदान कर सकती हैं । आचार्य श्री तुलसी जैसे संत युग दृष्टा होते हैं, वे कर्मठ श्रृष्टा होते हैं। वे संतप्त सृष्टि के कष्ट निवारक अमृत वृष्टा होते हैं।गुरुदेव तुलसी हूबहू ऐसी ही विरल विभूति थे।वे भैक्षवगण के सक्षम पट्टधर संघ हृदय की अनुभूति थे। वह विरल संत थे । उनकी महिमा अनन्त थी । युग प्रधान, महान चिंतक थें । वह उन्होंने कितने ही नूतन अवदान दिए। वह प्रतिभा संपन्न एवं महान क्रांतिकारी कर्मशील जीवन पर्यन्त संत थे ।

› प्रदीप छाजेड़

कंक्रीट के जंगलों में प्रकृति की वापसी का प्रयास 'रिवाइल्डिंग'

> आज संपूर्ण यूरोप में 'री-वाइल्डिंग यूरोप' जैसी बड़ी संस्थाएं लुप्तप्राय प्रजातियों और बंजर भूमियों को उनका पुराना गौरव लौटाने में जुटी हैं।

यह बदलाव केवल पश्चिमी देशों तक सीमित नहीं है। हमारे अपने देश भारत में भी इसके अत्यंत सफल और प्रेरणादायी प्रयोग आकार ले चुके हैं। मध्य प्रदेश के होशंगाबाद (अब नर्मदापुरम) जिले में स्थित शक्ति 'सतपुड़ा टाइगर रिजर्व' के भीतर से जब दर्जनों गांवों को उनके बेहतर पुनर्वास के साथ बाहर स्थानांतरित किया गया तो वह पूरी भूमि री-वाइल्डिंग का जीवंत उदाहरण बन गई। इंसानी दखल खत्म होते ही गांवों के पुराने खेतों ने प्राकृतिक घास के मैदानों का रूप ले लिया, जलस्रोत पुनर्जीवित हो गए और आज वहां बाघों और बारहसिंगों का कुनबा अपनी पूरी प्राकृतिक भव्यता के साथ फल-फूल रहा है।

इसी प्रकार दिल्ली जैसे महानगरीय कंक्रीट के जंगल के बीचोबीच यमुना नदी के किनारे विकसित किया गया 'यमुना बायोडायवर्सिटी पार्क' (Yamuna Biodiversity Park) शहरी री-वाइल्डिंग का एक अद्भुत और अनुकरणीय मॉडल है। वैज्ञानिकों और पर्यावरणविदों के अनथक प्रयासों से इस कभी बंजर और खारी रही जमीन पर आज दिल्ली की मूल स्थानीय वनस्पतियां लहलहा रही हैं, और प्रवासी पक्षियों की चहचहाहट ने कंक्रीट के शोर को पीछे धकेल दिया है।

शहरों के भीतर खाली पड़ी जमीनों, पुरानी मिलों के खंडहरों या अनछुए कोनों में यदि स्थानीय प्रजातियों के पेड़ों, झाड़ियों और लताओं को बिना किसी इंसानी काट-छांट के पनपने दिया जाए तो प्रकृति वहां ऐसी ही चमत्कारी वापसी करती है। कुछ ही समय में वहां स्थानीय कीट-पतंगे, रंग-बिरंगी तितलियां, मिट्टी को उपजाऊ बनाने वाले सूक्ष्म जीव और बचपन की स्मृतियों में खो चुकीं गौरैया जैसे पक्षी अपने आप लौटने लगते हैं।

जापान के विख्यात वनस्पति शास्त्री अकीरा मियावाकी की इस पद्धति ने दुनिया को यही सिखाया है कि बहुत कम जगह में भी स्थानीय पौधों की सघनता से एक आत्मनिर्भर और घना प्राकृतिक पर्यावरण कैसे खड़ा किया जा सकता है जो शहरों के फेफड़ों की तरह काम करे।

इस पूरी प्रक्रिया का सबसे सुंदर और वैज्ञानिक पक्ष इसका पूरी तरह से आत्मनिर्भर होना है। आम बागवानी में हमें लगातार खाद, पानी, कीटनाशकों और इंसानी देखरेख की जरूरत होती है, जो अपने आप में एक कृत्रिम व्यवस्था है। री-वाइल्डिंग प्रकृति की अपनी बुद्धिमत्ता पर भरोसा करती है। स्थानीय पेड़-पौधे उस क्षेत्र की मिट्टी और जलवायु के अनुकूल होते हैं, इसलिए उन्हें पनपने के लिए किसी बाहरी रसायन या अत्यधिक पानी की बैसाखी की जरूरत नहीं होती। वे खुद को मौसम के अनुसार ढालते हैं, अपनी पत्तों की खाद बनाते हैं और भूजल स्तर को सुधारने में मदद करते हैं। वैश्विक स्तर पर हो रहे शोध बताते हैं कि ये छोटे-छोटे शहरी जंगल शहरों के बढ़ते तापमान को कम करने, दूषित हवा को सोखने और मूसलाधार बारिश के दौरान बाढ़ जैसी स्थितियों को रोकने में बड़े-बड़े कृत्रिम पार्कों की तुलना करें तो कई गुना अधिक सक्षम और असरदार साबित होते हैं।

वैचारिक दृष्टि से देखें तो री-वाइल्डिंग मनुष्य के उस अहंकार को भी एक चुनौती है जिसके तहत वह हर प्राकृतिक चीज को अपने नियंत्रण में रखना चाहता है। घास की एक-एक पत्ती को सलीके से काटने और पौधों को इंसानी पसंद के आकार में ढालने की जिद के बीच हम यह भूल जाते हैं कि असली सौंदर्य प्रकृति के खुलेपन और उसकी विविधता में है। अपने महानगरीय जीवन में थोड़ा सा स्थान इस अनियंत्रित, उन्मुक्त प्रकृति को देकर हम पर्यावरण का संकट कम कर रहे हैं और अपनी आने वाली पीढ़ी को एक ऐसी दुनिया सौंपने की जमीन तैयार कर रहे हैं जहां वे किताबों से अलग, साक्षात प्रकृति को धड़कते और पनपते हुए देख सकें। यह प्रयास पृथ्वी को इंसानों की बनाई कंक्रीट की कैद से मुक्त कराकर उसे वापस उसकी अपनी मर्जी से जीने का अधिकार देने की एक बेहद मानवीय और संवेदनशील पहल है।

विवेक रंजन श्रीवास्तव

डिग्री से दक्षता की दिशा : शिक्षा संस्थानों में स्वाभिमानी स्वावलंबन का शुभारंभ

भारत आज विश्व की सबसे युवा आबादी वाला राष्ट्र है। देश की लगभग 65 प्रतिशत जनसंख्या 35 वर्ष से कम आयु की है। यह जनसांख्यिकीय स्थिति भारत के लिए एक ऐतिहासिक अवसर प्रस्तुत करती है। युवा शक्ति किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी होती है और यदि उसे उचित शिक्षा, कौशल तथा अवसर प्राप्त हों तो वह राष्ट्र को विकास की नई ऊँचाइयों तक पहुँचा सकती है किंतु विडंबना यह है कि आज भारत में बड़ी संख्या में शिक्षित युवा डिग्रियाँ प्राप्त करने के बावजूद बेरोजगारी, असुरक्षा और निराशा का सामना कर रहे हैं। इसका मूल कारण शिक्षा व्यवस्था का वह स्वरूप है जो विद्यार्थियों को केवल परीक्षा उत्तीर्ण करने और प्रमाणपत्र प्राप्त करने तक सीमित कर देता है जबकि वर्तमान समय की आवश्यकता ज्ञान के साथ-साथ दक्षता, नवाचार, उद्यमिता और आत्मनिर्भरता की है। इसलिए आज आवश्यकता इस बात की है कि शिक्षा संस्थान डिग्री प्रदान करने वाले केंद्र मात्र न बनें, बल्कि वे युवाओं को स्वाभिमानी, आत्मनिर्भर और दक्ष नागरिक बनाने वाले सशक्त संस्थान बनें। परंपरागत शिक्षा व्यवस्था लंबे समय तक इस धारणा पर आधारित रही कि उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद विद्यार्थियों को सहज रूप से रोजगार प्राप्त हो जाएगा किंतु वैश्वीकरण, तकनीकी क्रांति और बदलते आर्थिक परिदृश्य ने रोजगार की प्रकृति को पूरी तरह परिवर्तित कर दिया है। आज केवल शैक्षणिक योग्यता पर्याप्त नहीं है, बल्कि संचार कौशल, नेतृत्व क्षमता, समस्या समाधान, डिजिटल दक्षता, टीम भावना, नवाचार और व्यावहारिक अनुभव भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। दुर्भाग्यवश देश के अनेक शिक्षण संस्थानों में अभी भी रटंत प्रणाली, परीक्षा-केंद्रित शिक्षण और सैद्धांतिक ज्ञान को प्राथमिकता दी जाती है। परिणामस्वरूप लाखों विद्यार्थी डिग्री तो प्राप्त कर लेते हैं लेकिन वास्तविक कार्यक्षेत्र की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार नहीं हो पाते। यह स्थिति केवल व्यक्तिगत स्तर पर ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी चिंता का विषय है। आज का युग ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था का युग है जिसमें कौशल और नवाचार को विशेष महत्व प्राप्त है। कृत्रिम मेधा, मशीन लर्निंग, रोबोटिक्स, डेटा विज्ञान, डिजिटल मार्केटिंग, ई-कॉमर्स और स्टार्टअप संस्कृति ने रोजगार के नए अवसर उत्पन्न किए हैं।

डॉ. शैलेश शुक्ला

ये बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है...

राजेश श्रीवास्तव

राममंदिर में आखिर किसकी अनदेखी से हुई चढ़ावे की चोरी

राममंदिर चढ़ावा चोरी मामले की एफआईआर आखिरकार हो गई है। ट्रस्ट के दो लोगों चंपत राय और अनिल मिश्र का इस्तीफा भी हो गया है। पूरे हफ्ते चढ़ावे की चोरी का ये मामला सुर्खियों में है। राम मंदिर में चढ़ावे पर जो कुछ हो रहा है वो बहुत दुखद है। खुलासा अब जाकर हुआ है लेकिन जब मंदिर बन रहा था तब भी जमीन खरीद को लेकर शोर शराबा हुआ था। उस वक्त बात आई-गई हो गई। अगर उस वक्त ही इस पर ध्यान दिया जाता तो शायद बात चंदा चोरी तक आती ही नहीं। तो आखिर उस समय उसे क्यों दबाया गया। राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और अनिल मिश्र पर तब भी उंगली उठी थी। एक बार मान भी लें कि चंपत ने चंदा चंपत नहीं किया लेकिन निगरानी की जिम्मेदारी उन पर ही है तो वह कहीं न कहीं जिम्मेदार माने ही जायेंगे।

उन्होंने क्यों नहीं ध्यान दिया कि कैसे उनका एक ड्राइवर इतनी जल्दी करोड़ों की संपत्ति खड़ी कर लेता है। जब वो अपने 60 कमरे का हॉस्टल बनवा लेता है, जब वो उसका उद्घाटन करता है तो ट्रस्ट से जुड़े लोग भी जाते हैं। जब आपके सामने दिखाई दे रहा है कि एक आदमी जो साइकिल से चलता था वो बड़ी-बड़ी गाड़िया खरीद रहा है फिर भी आप भोले बने रहे। ये आपराधिक अनदेखी है। ये बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। इससे पता चलता है कि हमारे धर्म के ठेकेदार किस स्तर तक भ्रष्ट हैं। जिसके देखरेख में ये सब काम हो रहा था, जिम्मेदारी उसकी है भले ही उसने एक भी रुपया नहीं लिया हो। दुर्भाग्य ये है कि ऐसा शायद हर संस्था में हो रहा है और हम आंख मूंदकर आगे चल रहे हैं। जो लोग कर्ताधर्ता बने हुए थे शायद वो खुद को इंसान से ऊपर भगवान से थोड़ा ही नीचे समझते थे।

दूसरी तरफ इतना बड़ा मामला सामने आने के बाद भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुप क्यों हैं। संघ प्रमुख मोहन भागवत चुप क्यों हैं। क्या योगी आदित्यनाथ बुलडोजर चलाएंगे। रही बात चंपत राय कि तो जब उन्हें ये लगने लगा था कि वो यहां के सेवक नहीं है बल्कि वो इसके मालिक बन गए हैं। मुझे लगता है कि ट्रस्ट के दो लोगों के इस्तीफा को अंतिम नहीं माना जाना चाहिए। पूरे ट्रस्ट को बर्खास्त कर देना चाहिए। जिस बात की चर्चा अयोध्या की गली-गली में थी क्या वो बात चंपत राय को नहीं मालूम थी? राम मंदिर ट्रस्ट का पहला मामला तब आया था जब दो करोड़ की जमीन 18 करोड़ में खरीदी गई थी। वहीं, अंकुश लगना चाहिए था। जिन पर एफआईआर हुई है वो सिर्फ प्यादे हैं। सीसीटीवी अगर बंद हो गए तो ये कोई टिन्नू तो अकेले नहीं करा सकता है। ट्रस्ट जो बना, उस ट्रस्ट का ही ट्रस्ट खत्म हो गया है। इसलिए मुझे लगता है ट्रस्ट को भंग किया जाना चाहिए। निश्चित रूप से यह बहुत गंभीर मामला है क्योंकि यह मामला लाखों भारतीयों की आस्था से जुड़ा है। लाखों भारतीयों ने श्रद्धा और भरोसे के साथ राम मंदिर को दान दिया लेकिन ट्रस्ट ने लोगों की भावनाओं से खिलवाड़ किया और जमकर लूटपाट की। राम मंदिर ट्रस्ट ने वित्तीय जांच और छानबीन के लिए एजेंसियां नियुक्त की थीं, जिन्होंने कई सुझाव दिए लेकिन ट्रस्ट के लोगों ने उन सुझावों को नजरअंदाज कर दिया। जब चोरी की घटनाएं सामने आने लगीं और मंदिर के कैश काउंटिग एजेंट ने जब कई मामलों का सार्वजनिक तौर पर खुलासा किया तो उन्हें पद से हटा दिया गया। जब और खुलासे होने लगे तो सीसीटीवी कैमरे हटा दिए गए और कैमरे की रिकॉर्डिंग डिलीट कर दी गई। इस मामले में एसआईटी की रिपोर्ट के बाद कुछ लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई लेकिन उसमें सिर्फ छोटे कर्मचारियों के नाम शामिल थे। यूपी पुलिस एसआईटी ने इस मेगा रैकेट के शीर्ष पर बैठे लोगों को फंसाए बिना केवल निचले स्तर के पदाधिकारियों की पहचान की है। सिर्फ सुप्रीम कोर्ट के मौजूदा जज की अगुवाई में एक स्वतंत्र जांच से ही इस मंदिर लूट की बड़ी रकम का पता चल पाएगा। राम मंदिर में चोरी का प्रकरण उजागर होने के बाद आज यह तो तय है कि जिन लोगों ने राम मंदिर के निर्माण के लिए शहादत दी उनकी आत्मा रो रही होगी, जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति दी वह सोच रहे होंगे कि आखिर क्यों राम मंदिर की लड़ाई लड़ी और राम भी दुखी होंगे कि उनकी अयोध्या आज कैसी हो गयी है।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान ने रोशन की सुशील की एलईडी बल्ब यूनिट, बनाया आत्मनिर्भर

उत्तर प्रदेश में युवाओं की ऊर्जा और मेधा को सही दिशा देने के लिए प्रदेश सरकार निरंतर प्रयासरत है। आज का युवा केवल नौकरी की तलाश में भटकने के बजाय खुद का उद्यम स्थापित करने की सोच रख रहा है। इस सोच को हकीकत में बदलने का काम प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाएं कर रही हैं। किसी भी राज्य की आर्थिक और सामाजिक प्रगति तभी सुनिश्चित हो सकती है, जब वहां के युवाओं को अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए पर्याप्त अवसर और संसाधन मिलें। इसी उद्देश्य के साथ शुरू की गई योजनाएं राज्य के कोने-कोने में बदलाव की एक नई इबारत लिख रही हैं। सपने तभी साकार होते हैं जब उन्हें पूरा करने का अटूट साहस और सही समय पर उचित अवसर दोनों एक साथ मिल जाएं।

प्रदेश सरकार की ''मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान'' योजना ठीक इसी तरह युवाओं के सपनों को नई उड़ान देने का माध्यम बन रही है। यह योजना युवाओं को रोजगार खोजने वाले पारंपरिक ढर्रे से बाहर निकालकर रोजगार सृजित करने वाला एक मजबूत और आत्मनिर्भर उद्यमी बनाने की दिशा में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। वित्तीय सहायता, सही मार्गदर्शन और प्रशासनिक सहयोग के अनूठे त्रिकोण के माध्यम से यह योजना आज प्रदेश के हजारों-लाखों युवाओं के जीवन में बड़ा और सकारात्मक परिवर्तन ला रही है। इस योजना का प्रभाव केवल कागजों तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीण और शहरी अंचलों के धरातल पर साफ देखा जा सकता है। जनपद लखीमपुर खीरी के एक छोटे से गांव के रहने वाले युवा श्री सुशील कुमार इस व्यवस्थागत बदलाव और व्यक्तिगत दृढ़ संकल्प की एक बेहद प्रेरणादायक मिसाल बनकर उभरे हैं। तहसील मोहम्मदी के अंतर्गत आने वाले ग्राम सदियापुर बलमियां बढ़कर के निवासी श्री सुशील कुमार के मन में हमेशा से अपना खुद का एक व्यवसाय स्थापित करने की तीव्र इच्छा थी। उनका यह स्पष्ट मानना था कि यदि स्थानीय स्तर पर ही रोजगार के नए अवसर विकसित किए जाएं, तो इससे न केवल उनके खुद के परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी बल्कि क्षेत्र के अन्य ग्रामीण युवाओं को भी अपने घर के पास ही काम मिल सकेगा। उनके मन में काफी समय से एलईडी बल्ब निर्माण और उसकी असेंबली इकाई स्थापित करने का एक बेहतरीन विचार चल रहा था। वर्तमान समय में देखा जाए तो ऊर्जा दक्ष और पर्यावरण के अनुकूल एलईडी उत्पादों की मांग बाजार में लगातार तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में इस क्षेत्र में व्यवसाय की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। हालांकि, किसी भी नए व्यवसाय को शुरू करने के लिए जो सबसे पहली और आवश्यक चीज होती है, वह है पर्याप्त पूंजी। सुशील कुमार के लिए इस पूंजी की व्यवस्था करना ही उनके जीवन की सबसे बड़ी और कठिन चुनौती बनकर सामने खड़ी थी। सीमित आर्थिक संसाधनों और पारिवारिक बंधनों के कारण एक समय ऐसा भी आया जब उनका यह बड़ा सपना साकार होता हुआ नहीं दिख रहा था। वह लगातार संसाधनों को जुटाने के प्रयास में लगे हुए थे लेकिन हर बार वित्तीय कमी आड़े आ जा रही थी। इसी कशमकश के दौरान उन्हें प्रदेश सरकार द्वारा संचालित मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त हुई। इस जानकारी ने निराश हो चुके उनके मन को एक नई उम्मीद दी और उनके जीवन को एक बिल्कुल नई दिशा देने का कार्य किया। योजना की बारीकियों को समझने के बाद श्री सुशील कुमार ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अंतर्गत एलईडी बल्ब असेंबली एवं मैन्युफैक्चरिंग यूनिट की स्थापना के लिए जिला प्रशासन के माध्यम से अपना आवेदन प्रस्तुत किया।

जरा हटके

इसी प्रकार प्रदेश ...

अभिषेक सक्सेना

रिमोट सेंसिंग तकनीक से फसलों का सटीक मानचित्रण से प्रदेश के किसानों का बढ़ा उत्पादन

कृषि प्रधान उत्तर प्रदेश में फसलों की सही जानकारी, उनके क्षेत्रफल का आकलन और उत्पादन की प्रभावी योजना बनाना हमेशा से एक चुनौतीपूर्ण कार्य रहा है। परंपरागत सर्वेक्षण विधियों में समय, संसाधन और मानव श्रम की अधिक आवश्यकता होती है। ऐसे में आधुनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी ने इस चुनौती का समाधान प्रस्तुत किया है। उत्तर प्रदेश सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत कार्यरत रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशन्स सेंटर (आरएसएसी) द्वारा उपग्रह आधारित तकनीकों का उपयोग कर प्रदेश की विभिन्न फसलों का वैज्ञानिक मानचित्रण एवं क्षेत्रफल आकलन किया जा रहा है। रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) तकनीकों की सहायता से प्रदेश के चयनित 20 जनपदों में केला फसल का ब्लॉक एवं जनपद स्तर पर मानचित्रण तथा क्षेत्रफल आकलन किया गया है। इनमें गोरखपुर, अयोध्या, प्रयागराज, वाराणसी, लखनऊ, कुशीनगर, बहराइच, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, बाराबंकी, सुल्तानपुर, फतेहपुर, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, कौशाम्बी, संत कबीर नगर, गोंडा, बस्ती और अम्बेडकर नगर जैसे प्रमुख जनपद शामिल हैं। इस पहल से केला उत्पादन वाले क्षेत्रों की सटीक पहचान संभव हुई है, जिससे किसानों और नीति निर्माताओं को बेहतर योजना बनाने में सहायता मिल रही है। अंतरिक्ष से किए गए मानचित्रण से किसानों को फसलोंत्पादन में बढ़ोतरी हो रही है।

इसी प्रकार प्रदेश के 37 जनपदों में मेंथा फसल का भी ब्लॉक एवं जनपद स्तर पर मानचित्रण और क्षेत्रफल आकलन किया गया है। बाराबंकी, सीतापुर, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, अलीगढ़, हाथरस, एटा, कासगंज, फिरोजाबाद, शाहजहांपुर, पीलीभीत, बिजनौर, अमरोहा, संभल, फर्रुखाबाद, फतेहपुर, प्रतापगढ़, झांसी, जालौन, आजमगढ़, महाराजगंज, संत कबीर नगर, लखनऊ, उन्नाव, रायबरेली, लखीमपुर खीरी, हरदोई, अयोध्या, अम्बेडकर नगर, सुल्तानपुर, अमेठी, गोंडा, बहराइच, श्रावस्ती और बदायूं जैसे जनपद इस अध्ययन का हिस्सा रहे हैं। इससे प्रदेश में मेंथा उत्पादन के वास्तविक स्वरूप को समझने और उससे जुड़े उद्योगों के लिए आवश्यक आंकड़े उपलब्ध कराने में मदद मिली है।

इसके अतिरिक्त, उत्तर प्रदेश के सभी 75 जनपदों में जायद एवं रबी मौसम की सब्जी फसलों का ब्लॉक और जनपद स्तर पर मानचित्रण तथा क्षेत्रफल आकलन किया जा रहा है। यह कार्य प्रदेश की खाद्य सुरक्षा, बाजार प्रबंधन और कृषि योजनाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हो रहा है। सटीक आंकड़ों के आधार पर सरकार विभिन्न योजनाओं को अधिक प्रभावी ढंग से लागू कर सकती है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के अंतर्गत उपग्रह चित्रों का पूर्व-क्षेत्रीय विश्लेषण, फसलों की पहचान और वर्गीकरण, भू-सत्यापन, गुणवत्ता परीक्षण तथा क्षेत्रफल विश्लेषण जैसे वैज्ञानिक चरणों को सफलतापूर्वक पूरा किया गया है। वर्तमान में इन आंकड़ों के आधार पर विस्तृत मानचित्र तैयार किए जा रहे हैं, जो कृषि प्रबंधन और निर्णय निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

प्रदेश के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा संचालित यह पहल दर्शाती है कि आधुनिक अंतरिक्ष तकनीक केवल अनुसंधान तक सीमित नहीं है, बल्कि किसानों के खेतों तक पहुँचकर कृषि विकास की नई संभावनाएँ भी खोल रही है। रिमोट सेंसिंग और जीआईएस आधारित यह कार्य उत्तर प्रदेश को तकनीक-संचालित कृषि की दिशा में आगे बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे भविष्य में कृषि योजनाओं की सटीकता, पारदर्शिता और प्रभावशीलता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था में कृषि की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। राज्य की बड़ी आबादी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से खेती पर निर्भर है। लेकिन बदलते जलवायु परिदृश्य, अनियमित वर्षा, बढ़ते तापमान, मिट्टी की उर्वरता में कमी तथा प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ते दबाव ने कृषि क्षेत्र के सामने नई चुनौतियाँ खड़ी कर दी हैं। ऐसे समय में खेती को अधिक टिकाऊ, लाभकारी और वैज्ञानिक बनाने के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग आवश्यक हो गया है।

इसी उद्देश्य से उत्तर प्रदेश सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत कार्यरत रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशन सेंटर (आरएसएसी-यूपी) द्वारा 'जलवायु अनुकूलन कृषि एवं मौजूदा प्राकृतिक संसाधनों का उपग्रहीय आंकड़ों से मानचित्रण' परियोजना संचालित की गई। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य कृषि और प्राकृतिक संसाधनों का वैज्ञानिक विश्लेषण कर किसानों को जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने में सहायता प्रदान करना है।

परियोजना के अंतर्गत रिमोट सेंसिंग, भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) तथा वैश्विक स्थितिकरण प्रणाली (जीपीएस) जैसी आधुनिक भू-स्थानिक तकनीकों का उपयोग किया गया। इन तकनीकों के माध्यम से फसलों की स्थिति, मिट्टी की नमी, पोषक तत्वों की उपलब्धता तथा भूमि उपयोग में होने वाले परिवर्तनों का विस्तृत अध्ययन किया गया। प्राप्त आंकड़ों के आधार पर विभिन्न क्षेत्रों के लिए मानचित्र तैयार किए गए, जिससे यह समझने में सहायता मिली कि कहाँ कृषि उत्पादन अधिक है और किन क्षेत्रों में सुधार की आवश्यकता है।

आज कृषि क्षेत्र बढ़ती लागत और घटती उत्पादकता जैसी समस्याओं का सामना कर रहा है।

400 मीटर दायरे में धुएं से खांसते रहे लोग, 50 घर खाली कराए, 8 घंटे में हल्की पड़ी

कोल्ड स्टोरेज में भीषण आग

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ के एक कोल्ड स्टोरेज में रविवार सुबह करीब 6:30 बजे भीषण आग लग गई। घटनास्थल से 4 किलोमीटर दूर से भी धुएं का गुबार दिखता रहा। फायर ब्रिगेड की 15 गाड़ियां और 2 हाइड्रोलिक मशीन आग बुझाने में लगी रहीं। इस दौरान करीब 400 मीटर के दायरे में रहने वाले लोग धुएं से खांसते रहे।

आग करीब 8 घंटे बाद दोपहर ढाई बजे हल्की पड़ी। धुआं 3:30 बजे तक उठता रहा। पुलिस ने एहतियातन पास की कॉलोनी दयाल रेजीडेंसी के करीब 50 घरों को खाली करा लिया था। लोगों ने घरों से सिलेंडर बाहर रख दिए थे।

कुछ दूर के लोगों ने आग का वीडियो बनाया। इस दौरान स्टोरेज के अंदर से किसी चीज के बार-बार फूटने की आवाज सुनाई दे रही थी।

दमकल की 15 गाड़ियां करीब कुल 70 चक्कर लगाकर इंदिरा नहर से पानी रीफिल कर आग बुझाती रहीं। राहत की बात यह रही कि किसी तरह की कोई जनहानि नहीं हुई। मिर्च-मसाले के धुएं से फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों को आग बुझाने में काफी परेशानी हो रही थी। वे पहले अंदर जाने वाले थे, लेकिन जब सब मिर्च के झार से खांसने लगे तो बाहर आ गए। टिन शेड के ऊपर और हाइड्रोलिक मशीन से रेस्क्यू जारी रखा।

कोल्ड स्टोरेज चिनहट थाना क्षेत्र में लखनऊ-अयोध्या हाईवे के किनारे बना हुआ है। करीब 35 साल पुराने हिमालयन कोल्ड स्टोरेज में फिलहाल हल्दी, मिर्च सहित किराने का सामान रखा जाता है। कुछ हिस्से में लकड़ी और बुरादा भी रखा था। इसी वजह से आग करीब 5 घंटे बाद 11:30 बजे दोबारा तेजी से भड़क गई थी।

करीब 8 घंटे बाद आग बुझ पाई

कोल्ड स्टोरेज में आग लगने से आसपास की कॉलोनियों में कालिख बिखरी दिखी। आग करीब 8 घंटे बाद दोपहर ढाई बुझ पाई। हालांकि, अब भी हल्का धुआं निकल रहा है। शुरू से ही फायर ब्रिगेड की 15 गाड़ियों सहित 2 हाइड्रोलिक मशीनें आग बुझान में लगी हुई थीं। पास में इंदिरा नहर से करीब 60 चक्कर गाड़ियों में पानी रीफिल किया गया।

घुटन होने लगी, सबने कहा- किसने सुबह-सुबह मिर्च सुलगा दी

दयाल रेजिडेंसी कॉलोनी के निवासी विवेक श्रीवास्तव ने बताया- झार से घुटन होने लगी थी। सबने यही कहा कि किसने सुबह-सुबह मिर्च सुलगा दी। बाद में पता चला कि आग लगी हुई है। जैसे ही जानकारी हुई, हम लोगों ने खुद लोगों को घर से बाहर बुलाना शुरू कर दिया। घरों से भरे सिलेंडर भी निकलवाकर बाहर सुरक्षित रखवा दिए।

मौके पर फायरकर्मियों सहित हाईड्रोलिक मशीन और प्लेटफॉर्म से भी आग बुझाई जा रही थी।

सांस लेने में दिक्कत हो रही थी, खांसी आ रही थी

दयाल रेजिडेंसी में रहने वाली कैलाशी अलका रानी ने कहा- सुबह जब मैं ऊपर वॉशरूम गई तो धुआं जैसा छाया था। सांस लेने में दिक्कत होने लगी। खांसी आ रही थी। मुझे लगा मिर्ज जैसा कुछ जल रहा है। इसी कोल्ड स्टोरेज से धुआं उठता दिखा। मैंने तुरंत नीचे आकर पुलिस को सूचना दी। उसके बाद फायर ब्रिगेड को बुलाया गया।

तेलीबाग में गैस लीकेज से किचन में आग

बेटियों के लिए मैगी बना रही थी महिला

तमसा संकेत, एजेंसी

मोहनलालगंज। तेलीबाग के कुम्हारमंडी में रविवार शाम गैस लीकेज के कारण एक घर की रसोई में आग लग गई। इस घटना में आग बुझाने का प्रयास कर रही एक महिला झुलस गई, जिसे सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार, यह घटना मदन यादव के घर में शाम करीब 5 बजे हुई। उस समय उनकी पत्नी राधा रसोई में मैगी बना रही थी। इसी दौरान गैस लीकेज से अचानक आग भड़क उठी। आग इतनी तेजी से फैली कि तख्त, कपड़े और बर्तन उसकी चपेट में आ गए।

घर में मदन यादव की पत्नी राधा यादव और उनकी दो बेटियां मौजूद थीं। आग बुझाने के प्रयास में राधा यादव के हाथ, पैर और चेहरा झुलस गया। परिजनों ने तुरंत राधा यादव को इलाज के लिए सिविल अस्पताल

पहुंचाया, जहां उनका उपचार जारी है। घटना की सूचना मिलते ही डायल-112, पीजीआई थाना पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से आग पर जल्द ही काबू पा लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। पुलिस के मुताबिक, मौके से एक ही गैस सिलेंडर मिला, जिस पर रेगुलेटर लगा था। प्रारंभिक जांच में गैस लीकेज को आग का कारण बताया गया है। इस घटना में कोई अन्य हताहत नहीं हुआ है और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

फास्ट न्यूज

लखनऊ में 10 हजार अवैध कॉमर्शियल बिल्डिंग

लखनऊ । लखनऊ में 10 हजार से ज्यादा अवैध निर्माण दर्ज हैं। यह दावा खुद एलडीए ने 2 साल पहले हाईकोर्ट में दाखिल अपने हलफनामे में किया था। इसके बावजूद वर्षों तक कार्रवाई कागजों तक सीमित रही और अब अलीगंज अग्निकांड में 15 मौतों के बाद जिम्मेदार जागे हैं।

एलडीए ने अपने हलफनामे में स्वीकार किया था कि राजधानी में 10,380 अवैध निर्माण दर्ज हैं।

दुबग्गा-पारा क्षेत्र 36 घंटे बिजली संकट से जूझा

दुबग्गा । लखनऊ के दुबग्गा और पारा क्षेत्र में लगभग 36 घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहने से हजारों उपभोक्ताओं को भीषण गर्मी और उमस के बीच भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। एफसीआई से पॉजिट क्षेत्र के साथ-साथ बादशाह खेड़ा, बुद्धेश्वर, बादल खेड़ा, जनता विहार, मायापुरम, कुंदन बिहार, नाजिम नगर, हर्ष नगर और भपटामऊ सहित आसपास की कई कॉलोनियों में घंटों बिजली गुल रही और लगातार ट्रिपिंग की समस्या से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया।

काकोरी में युवती से दुष्कर्म का प्रयास

दुबग्गा । लखनऊ के काकोरी कोतवाली क्षेत्र में एक 18 वर्षीय युवती से दुष्कर्म के प्रयास का मामला सामने आया है। पीड़िता की मां की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार, यह घटना 24 जून 2026 की रात की है। काकोरी निवासी महिला ने आरोप लगाया है कि जब उसकी 18 वर्षीय बेटी घर में सो रही थी, तभी पड़ोस में रहने वाला विजय कुमार गौतम कथित रूप से घर में घुस आया।

ओमप्रकाश राजभर ने विभागीय योजनाओं की समीक्षा कर दिए निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के माननीय पंचायतीराज, अल्पसंख्यक कल्याण एवं मुस्लिम वक्फ मंत्री श्री ओमप्रकाश राजभर की अध्यक्षता में आज मुख्य भवन (सचिवालय) के कक्ष संख्या-62A में पंचायतीराज विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश की ग्राम पंचायतों में संचालित विभिन्न विकास योजनाओं, आधारभूत सुविधाओं एवं केंद्र एवं राज्य सरकार की प्राथमिकता वाली योजनाओं की बिंदुवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं परिणामोन्मुखी कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में प्रदेश की 57,694 ग्राम पंचायतों में स्थापित हैंडपंपों की वर्तमान स्थिति, खराब एवं बालूयुक्त हैंडपंपों की संख्या, अमृत सरोवरों के निर्माण एवं उनमें जलभराव की स्थिति, छोटे-बड़े तालाबों के जीर्णोद्धार, ग्रामीण क्षेत्रों के भूजल स्तर, जल जीवन मिशन के अंतर्गत निर्मित ओवरहेड पेयजल टंकियों, पाइपलाइन विस्तार, सड़कों की मरम्मत, सामुदायिक एवं व्यक्तिगत शौचालयों की उपलब्धता तथा भारत सरकार के सहयोग से संचालित विभिन्न योजनाओं के उपयोगिता प्रमाणपत्रों की विस्तृत समीक्षा की गई। माननीय मंत्री श्री राजभर ने निर्देश दिए कि बरसात के मौसम को दृष्टिगत रखते हुए सभी खराब हैंडपंपों की प्राथमिकता के आधार पर तत्काल मरम्मत सुनिश्चित की जाए, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की उपलब्धता प्रभावित न हो। उन्होंने अमृत सरोवरों के निर्माण, उनमें जलभराव तथा पंचायतों को हस्तांतरण (हैंडओवर) की अद्यतन जनपदवार सूची तत्काल उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए।

एएसएपी की संगठनात्मक बैठक सम्पन्न

नई कार्यकारिणी बनाकर प्रदेशव्यापी छात्र आंदोलन का यूपी प्रभारी छात्रविंग वंशराज दुबे ने किया ऐलान

- पेपर लीक ने मेहनती युवाओं का भविष्य अंधकार में धकेल दिया है: वंशराज दुबे
- समय पर छात्रवृत्ति नहीं मिलने से गरीब छात्र पढ़ाई छोड़ने को मजबूर: वंशराज दुबे
- मनमानी फीस वृद्धि पर रोक लगाकर शिक्षा सभी की पहुंच में लाई जाए: वंशराज दुबे

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। आम आदमी पार्टी की छात्र इकाई आम आदमी छात्र विंग उत्तर प्रदेश की महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक रविवार को लखनऊ स्थित प्रदेश कार्यालय में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता मुख्य प्रदेश प्रवक्ता व छात्र विंग के उत्तर प्रदेश प्रभारी वंशराज दुबे ने की, जिसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं सक्रिय साथियों ने भाग लिया। बैठक में छात्रों, युवाओं और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े गंभीर मुद्दों पर व्यापक चर्चा हुई। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि प्रदेश में छात्रों की आवाज़ को मजबूती से उठाने के लिए जल्द ही ASAP की नई जुझारू और सक्रिय प्रदेश कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा, जो युवाओं के अधिकारों की लड़ाई को गांव से लेकर राजधानी तक मजबूती से आगे बढ़ाएगी। बैठक को संबोधित करते हुए छात्रविंग प्रदेश प्रभारी वंशराज दुबे ने कहा कि उत्तर प्रदेश का छात्र और युवा वर्ग आज अभूतपूर्व संकट का सामना कर रहा है।

छात्रवृत्ति में देरी से गरीब छात्रों की पढ़ाई हो रही प्रभावित

उन्होंने कहा कि गरीब, पिछड़े और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के हजारों छात्र समय पर छात्रवृत्ति न मिलने के कारण अपनी पढ़ाई जारी नहीं रख पा रहे हैं। आर्थिक तंगी के कारण अनेक विद्यार्थियों को बीच में ही पढ़ाई छोड़नी पड़ रही है, जो प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न है।

पेपर लीक ने युवाओं के भविष्य के साथ किया खिलवाड़

वंशराज दुबे ने कहा कि प्रदेश में लगातार हो रही पेपर लीक की घटनाओं ने पूरी परीक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता खत्म कर दी है। वर्षों तक कठिन परिश्रम करने वाले लाखों युवाओं के सपनों के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन सरकार इस मोर्चे पर पूरी तरह विफल साबित हुई है। सरकार युवाओं के भविष्य को लेकर पूरी तरह संवेदनहीन हो चुकी है। लाखों छात्र अपने भविष्य को लेकर असमंजस में हैं, लेकिन सरकार उनकी समस्याओं के समाधान की बजाय लगातार उन्हें नजरअंदाज कर रही है। उन्होंने कहा कि अब आम आदमी छात्र विंग प्रदेशभर में छात्रों के मुद्दों पर संगठित और निर्णायक संघर्ष का नेतृत्व करेगी। वंशराज दुबे ने कहा कि निजी और सरकारी शिक्षण संस्थानों में लगातार बढ़ाई जा रही फीस ने उच्च शिक्षा को आम परिवारों की पहुंच से दूर कर दिया है।

टब में डूबने से 2 साल की बच्ची की मौत

दुर्घटना

लखनऊ में ननिहाल आई थी, खेलते समय औंधे मुंह पानी में गिरी

तमसा संकेत, एजेंसी

बख्शी का तालाब । लखनऊ में नानी के घर आई 2 साल की बच्ची मौत हो गई। वह शुक्रवार रात पानी से भरे टब में गिर गई थी। औंधे मुंह गिरने से उठ नहीं पाई। उस समय वहां पर कोई था भी नहीं। बाद में जब लोगों ने ढूंढ़ना शुरू किया तो टब में उतराती दिखी। यह देखते ही घर में कोहराम मच गया। आसपास के लोग भी इकट्ठा हो गए।

मामला इटौंजा में महोना नगर पंचायत के वार्ड संख्या-8 का है। यहां के सफीक खान की नातिन शिवरा अपने ननिहाल में थी। शिवरा के पिता शानू खुर्रमनगर के रहने वाले हैं। शुक्रवार को घर के अन्य बच्चे आंगन में खेल रहे थे, तभी शिवरा उनके साथ खेलते-खेलते घर के अंदर चली गई।

इटौंजा इंस्पेक्टर सोबरन सिंह ने बताया कि घटना की कोई सूचना थाने को नहीं दी गई है। जानकारी मिलने पर मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

वहां टब में गिरकर डूब गई।

अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों के अनुसार, अस्पताल पहुंचने से पहले ही बच्ची की मौत हो चुकी थी। इस घटना से नाना सफीक खान और नानी सदमे में हैं। सूचना मिलने पर पिता शानू भी महोना पहुंचे।

अस्पताल ले गए, लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित किया

परिजनों के अनुसार, घर में एक टब में पानी भरा हुआ रखा था। बच्ची जब दूसरे बच्चों का साथ छोड़कर आई होगी, तो उसमें सिर के बल गिर गई होगी। टब में पानी ऊपर तक भरा हुआ था, यही वजह रही कि वह बाहर नहीं निकल सकी। काफी देर तक बच्ची शिवरा के दिखाई न देने पर उसकी तलाश शुरू की। खोजबीन के दौरान बच्ची पानी भरे टब में औंधे मुंह पड़ी मिली। परिजन उसे तुरंत बख्शी का तालाब स्थित रामसागर मिश्र 100 शैय्या अस्पताल ले गए।

मोदी जी के नेतृत्व में देश में महापुरुषों और महान विभूतियों को मिल रहा है उचित सम्मान

उप मुख्यमंत्री ने किया लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर जी स्मृति द्वार का शिलान्यास

- लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर जी ने भारतीय संस्कृति, धर्मस्थलों के संरक्षण और जनकल्याण के लिए किया अतुलनीय कार्य : उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य
- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश में महापुरुषों और महान विभूतियों को मिल रहा है उचित सम्मान

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने आज जनपद गाजियाबाद में 'लोकमाता' अहिल्याबाई होल्कर जी की 301वीं जयंती के अवसर पर आयोजित समारोह को बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने लोनी बॉर्डर, बस डिपो के निकट विधायक निधि योजना के अंतर्गत निर्मित होने वाले 'लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर जी स्मृति द्वार' का शिलान्यास किया तथा 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधारोपण भी किया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर जी ने अपने आदर्श शासन, न्यायप्रिय व्यवस्था, लोककल्याण-कारी कार्यों और भारतीय संस्कृति के संरक्षण के माध्यम से इतिहास में अमिट छाप छोड़ी है। उन्होंने अनेक धर्मस्थलों के संरक्षण एवं पुनर्निर्माण का कार्य किया तथा जनसेवा को अपने जीवन का मूल मंत्र बनाया।

उन्होंने कहा कि लंबे समय तक लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर जी के महान योगदान को अपेक्षित सम्मान नहीं मिला, लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद महान विभूतियों के योगदान को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया गया। उनकी 300वीं जयंती का आयोजन पूरे देश और प्रदेश में श्रद्धा एवं गौरव के साथ किया गया।

मौर्य ने कहा कि आज पूरा देश और प्रदेश लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर जी को नमन कर रहा है।

संबोधन : लखनऊ में पंकज चौधरी बोले- इस बार फिर भाजपा की सरकार बनेगी

'2027 में 2017 से भी बड़ा बहुमत मिलेगा'

पीएम मोदी ने मन की बात का राजनीतिक उपयोग नहीं किया

उन्होंने कहा कि पार्टी श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस के कार्यक्रम मना रही है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों को लेकर जनता के बीच जा रही है। प्रधानमंत्री ने 'सबका साथ, सबका विकास' के मंत्र पर बिना किसी भेदभाव के अंतिम व्यक्ति तक कल्याणकारी योजनाएं पहुंचाने का काम किया है। वहीं, 'मन की बात' कार्यक्रम को उन्होंने लोगों को प्रेरित करने का माध्यम बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने इसका कभी राजनीतिक उपयोग नहीं किया।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ के राजाजीपुरम-सी ब्लॉक के सेंट जोसेफ स्कूल में प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी पहुंचे। कार्यक्रम में उन्होंने पदाधिकारियों को संबोधित किया। इसके बाद पौधरोपण भी किया। इस दौरान प्रदेश महामंत्री संजय राय महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी भी मौजूद रहे।

इस दौरान पंकज चौधरी ने कहा कि केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार ने गरीबों और महिलाओं के कल्याण के लिए ऐतिहासिक काम किए हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर

स्कूल पहुंचने पर लोगों ने पकंज चौधरी को पटका पहनाकर स्वागत किया।

प्रदेश का चेहरा और पहचान बदल गई है। आज प्रदेश एक्सप्रेस-वे का नेटवर्क विकसित करने के साथ निवेश का प्रमुख केंद्र बन चुका है। उन्होंने दावा किया कि 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा 2017 से भी बड़े बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। सेंट जोसेफ स्कूल के संस्थापक अनिल अग्रवाल ने बताया कि आज मन की बात में जो सबसे अच्छी बात सुनने को मिली है। वह मेघायल में रबर ट्री ब्रिज बने होने की बात है। जिसमें समय के साथ स्ट्रेंथ बढ़ने की बात है। आज इसमें प्रदेश के अध्यक्ष पंकज चौधरी, महामंत्री संजय राय, आनंद द्विवेदी और स्थानीय पार्षद प्रतिनिधि राजीव त्रिपाठी मौजूद रहे।

राजाजीपुरम क्षेत्र से पूर्व पार्षद और पार्षद प्रतिनिधि राजीव त्रिपाठी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लोगों को मोटिवेट करने का काम करते हैं। देश में होने वाले हर छोटे बड़े प्रयास को सराहने के साथ मुद्दा उठाने का काम प्रधानमंत्री करते हैं। पिछले मन की बात में बस्ती के बच्चों द्वारा नदी में किए गए प्रयास को उठाया था। योग दिवस के मौके पर संगठन मंत्री धर्मपाल यहां आए हुए थे।

लखनऊ के पावर हाउस में आधी रात पथराव

लखनऊ। लखनऊ के चिनहट स्थित लौलई पावर हाउस में लोगों ने आधी रात जमकर पथराव और तोड़फोड़ की। इस दौरान पावर हाउस के अंदर खड़ी गाड़ी और दीवार पर लगे एसी लाठी और ईंट से तोड़ने की कोशिश भी की गई। दरअसल, शनिवार देर रात करीब 10:30 बजे अचानक आंधी-पानी आने की वजह से लगभग सभी पावर हाउस से बिजली सप्लाई बंद हो गई।

करीब 1 घंटे तक उपभोक्ता बिना बिजली के अंधेरे में रहे। आंधी-पानी बंद होते ही जिन इलाकों में कोई फाल्ट नहीं था, वहां पर 11:45 बजे तक बिजली चालू हो गई। वहीं, कई पावर हाउस पर बिजली सप्लाई नहीं हुई। इससे चिनहट में लोग आक्रोशित हो गए और पावर हाउस पहुंचकर हंगामा किया। उधर, विकासनगर थाना क्षेत्र के सेक्टर-N1 के पास बिजली के खंभे में अचानक आग लग गई। घटना की सूचना पर तत्काल फायर ब्रिगेड की गाड़ी पहुंची और आग पर काबू पाया।

नीट एडमिशन के नाम पर 5 लाख की ठगी अच्छे कॉलेज में सीट दिलाने का झांसा दिया

तमसा संकेत, एजेंसी

सरोजनी नगर, लखनऊ। लखनऊ में नीट मेडिकल में एडमिशन दिलाने के नाम पर 5 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। पश्चिम बंगाल के पूर्वी मेदनीपुर जिले के हल्दिया निवासी संजीव कुमार वर्मा ने लखनऊ स्थित एक कंसल्टेंसी फर्म के तीन लोगों पर यह आरोप लगाया है। सरोजनी नगर थाना क्षेत्र के स्काई हाई एजुकेशन ऑफिस, जेबी मेट्रो हाईट, ट्रांसपोर्ट नगर से जुड़े विनय मौर्य, रिसेप्शनिस्ट प्राची और संजय के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई है। पीड़ित का आरोप है कि इन लोगों ने मेडिकल कॉलेज में सीट दिलाने का भरोसा देकर पैसे लिए और बाद में टालमटोल करने लगे।

संजीव वर्मा के अनुसार, उनकी बेटी रितिषा वर्मा नीट मेडिकल 2025 की तैयारी कर रही थी। इसी दौरान कंसल्टेंट फर्म की रिसेप्शनिस्ट प्राची ने उनसे संपर्क किया और बताया कि उनकी संस्था

कई वर्षों से एमबीबीएस व एमडी में प्रवेश दिलाने का कार्य कर रही है।

प्राची ने रितिषा को लखनऊ कार्यालय बुलाया, जहां संजय नामक व्यक्ति ने एडमिशन प्रक्रिया और कॉलेजों की जानकारी दी। आरोप है कि संजय और विनय मौर्य ने रजिस्ट्रेशन और एडमिशन प्रक्रिया का हवाला देते हुए शुरुआत में एडवांस राशि जमा करने को कहा। पीड़ित ने अलग-अलग तारीखों पर फोनपे और बैंक ट्रांसफर के जरिए कुल 5 लाख रुपये विनय मौर्य के खाते में जमा किए। पैसे लेने के बाद आरोपियों ने रजिस्ट्रेशन होने की बात कहकर और धनराशि मांगी, लेकिन कोई काम नहीं किया। जब पीड़ित ने पैसे वापस मांगे, तो वे टालमटोल करते रहे और अब तीनों के मोबाइल फोन बंद आ रहे हैं।

गोंडा में दोस्त की बहन से 1.5 साल पहले शादी की थी, 2 के खिलाफ एफआईआर

बहन को भगाकर शादी करने वाले की गला रेतकर हत्या

वारदात

तमसा संकेत, एजेंसी

गोंडा। गोंडा में प्रेम विवाह की रंजिश में एक युवक की गला रेतकर हत्या कर दी गई। युवक ने करीब डेढ़ साल पहले आरोपी की बहन को भगाकर शादी की थी। पुलिस के अनुसार, प्रेमिका के भाई ने कॉमन दोस्त के जरिए युवक को बुलाया और शराब पीने के दौरान हुए विवाद में चाकू से उसकी हत्या कर दी।

शनिवार देर रात वजीरगंज थाना क्षेत्र के चिलमपुर गांव में हुई वारदात के बाद दोनों आरोपी फरार हो गए। पुलिस ने मृतक की मां की तहरीर पर दो लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। वजीरगंज थाना क्षेत्र के पुरवा गांव निवासी आजाद सिंह (30) प्राइवेट काम करते थे। परिवार में मां शीला सिंह, छोटा भाई मोनू सिंह, पत्नी पिंकी सिंह और चार महीने की बेटी अनामिका हैं। आजाद की मां और छोटा भाई अमृतसर में रहते हैं, जबकि आजाद पत्नी और बेटी के साथ नवाबगंज क्षेत्र में रहते थे। पुलिस के मुताबिक, करीब डेढ़ साल पहले आजाद ने अपने दोस्त और रिश्ते में चाचा लगने वाले संदीप सिंह की सौतेली बहन पिंकी सिंह को भगाकर शादी कर ली थी। इस घटना के बाद गांव में पंचायत हुई और आजाद के परिवार का सामाजिक बहिष्कार कर दिया गया। इसके बाद मां शीला सिंह ने भी उन्हें घर से अलग कर दिया था।

आजाद सिंह, मृतक

बहन को भगाकर शादी करने को लेकर संदीप और आजाद के बीच विवाद शुरू हो गया। आरोप है कि इसी दौरान संदीप ने चाकू से आजाद के गले पर वार कर दिया। गंभीर रूप से घायल आजाद ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वारदात के बाद आरोपी फरार हो गए।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची

चिलमपुर गांव निवासी घनश्याम पांडेय ने बताया कि उनके घर के सामने ही हत्या हुई। घटना के समय गांव में एक निमंत्रण कार्यक्रम चल रहा था, जिसमें वह अपने परिवार के साथ गए थे। लौटते समय लोगों ने उन्हें बताया कि उनके घर के सामने एक व्यक्ति पड़ा हुआ है। घनश्याम ने बताया कि पहले उन्हें लगा कि कोई व्यक्ति शराब के नशे में पड़ा है, लेकिन पास जाकर देखा तो वह खून से लथपथ था। इसके बाद उन्होंने तुरंत डायल 112 पर सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई।

आजाद नवाबगंज मंडी के पास किराये के मकान में पत्नी पिंकी के साथ रहने लगे थे। पिंकी ने बताया कि शनिवार शाम करीब 7 बजे गांव के रहने वाले सुरेश विश्वकर्मा आजाद को घर से बुलाकर ले गए थे। इसके करीब दो घंटे बाद उन्हें पति की हत्या की सूचना मिली।

इस तस्वीर में आजाद की पत्नी मां भाई और उसकी पत्नी हैं। आजाद की मौत की सूचना पर मां और भाई अमृतसर से गोंडा पहुंचे।

> एएसपी पश्चिमी राधेश्याम राय ने बताया-शव मिलने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। मृतक की मां की तहरीर पर रिश्ते में चाचा लगने वाले संदीप सिंह और गांव के सुरेश विश्वकर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। आरोपियों की तलाश की जा रही है और जल्द ही उनकी गिरफ्तारी की जाएगी।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर पलटी निजी एंबुलेंस

ट्रक पलटने से सड़क पर पड़ी आलू की बोरियों के कारण हादसा

तमसा संकेत, एजेंसी

अमेठी। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर रविवार को बड़ा हादसा हो गया। सड़क पर घंटों से बिखरी पड़ी आलू की बोरियों के कारण एक निजी एंबुलेंस पलट गई। आलू की बोरियों पर निजी एंबुलेंस चढ़ गई और टायर फटने के कारण पलट गई।

बाजारशुकुल क्षेत्र में हुए इस हादसे में रोहतक से इलाज कराकर आजमगढ़ लौट रहे एक ही परिवार के चार लोग घायल हो गए। वहीं घटना के बाद एक्सप्रेस-वे की सुरक्षा व्यवस्था और सड़क की समय पर सफाई को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। आजमगढ़ के मुबारकपुर के अनिरुद्ध अपनी पत्नी वंदना, पुत्र राजा और पुत्री आंचल के साथ रोहतक (हरियाणा) के पीजीआइ से उपचार कराकर निजी एंबुलेंस से घर लौट रहे थे। रविवार दोपहर पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के किमी 64.7 स्थित काजीपुर के पास एक्सप्रेस वे पर पड़ी आलू की बोरी पर एंबुलेंस का पहिया चढ़ गया। जिससे टायर फट गया और एंबुलेंस अनियंत्रित होकर पलट गई। यूपीडा के सुरक्षा कर्मी मौके पर पहुंचे और सभी घायलों को एंबुलेंस से सीएचसी पहुंचाया।

घायल आंचल ने बताया कि उसके पिता का रोहतक के पीजीआइ में उपचार चल रहा था और परिवार किराए की एंबुलेंस से घर लौट रहे थे। यूपीडा कर्मियों के अनुसार शनिवार रात करीब दो बजे आलू लदे डीसीएम का टायर फटने से पलट गया था। जिससे बड़ी मात्रा में आलू और बोरियां एक्सप्रेस-वे पर बिखर गई थी।

फास्ट न्यूज

बीएचयू अस्पताल में सुरक्षाकर्मियों पर मारपीट का आरोप

वाराणसी। वाराणसी के बीएचयू स्थित सर सुंदरलाल अस्पताल में रविवार को इमरजेंसी वार्ड के बाहर हंगामा हो गया। इलाज कराने पहुंचे एक युवक ने सुरक्षाकर्मियों पर अभद्र व्यवहार और मारपीट का आरोप लगाया। युवक का दावा है कि वीडियो बनाने पर सुरक्षाकर्मियों ने उसके साथ धक्का-मुक्की की और मोबाइल छीनने की भी कोशिश की।

हरदोई में पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप का सफल समापन

हरदोई । हरदोई में पावरलिफ्टिंग स्पोर्ट्स एसोसिएशन और वी.एस.एस. स्पोर्ट्स क्लब के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित उत्तर प्रदेश पावरलिफ्टिंग स्पोर्ट्स चैंपियनशिप का रविवार, 28 जून को शाम 6 बजे सफलतापूर्वक समापन हो गया। इस चैंपियनशिप में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। उन्होंने बेंच प्रेस और डेडलिफ्ट स्पर्धाओं के अलग-अलग भार वर्गों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। समापन समारोह में प्रसार भारती (दूरदर्शन एवं आकाशवाणी) के हरदोई जिला प्रतिनिधि और वरिष्ठ पत्रकार आकाश शुक्ला मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

वाराणसी पहुंचे अभिनेता आयुष शर्मा

वाराणसी। बॉलीवुड अभिनेता आयुष शर्मा इन दिनों अपनी आगामी एक्शन फिल्म की शूटिंग के सिलसिले में धर्म और संस्कृति की नगरी वाराणसी पहुंचे हुए हैं। फिल्म के अगले शेड्यूल की शूटिंग शहर के ऐतिहासिक और विश्वप्रसिद्ध घाटों पर की जा रही है। शूटिंग के दौरान जहां आयुष अपने दमदार एक्शन अवतार की तैयारियों में व्यस्त नजर आए। उनका एक भावुक और पारिवारिक पक्ष भी सामने आया, जिसने प्रशंसकों का दिल जीत लिया।

एमआईटी के 13 विद्यार्थियों को मिला 5.5 लाख का पैकेज

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में आयोजित कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में बीसीए विभाग के 13 छात्र-छात्राओं का चयन क्यूस्पाइडर्स कंपनी में हुआ है। चयनित विद्यार्थियों को कंपनी की ओर से 5.5 लाख रुपये वार्षिक पैकेज प्रदान किया । सभी चयनित छात्र-छात्राएं बीसीए अंतिम वर्ष के विद्यार्थी हैं।

कंपनी ने इन विद्यार्थियों का चयन सॉफ्टवेयर डेवलपर एवं सॉफ्टवेयर टेस्टिंग पदों के लिए किया है। चयन प्रक्रिया को तीन चरणों में संपन्न किया गया, जिसमें ऑनलाइन एप्टीट्यूड टेस्ट, ग्रुप डिस्कशन तथा पर्सनल इंटरव्यू शामिल रहे। सभी चरणों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 13 विद्यार्थियों ने अंतिम चयन सूची में स्थान बनाया।

इस अवसर पर संस्थान के वाइस चेयरमैन गौरव अग्रवाल ने कहा कि मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ उद्योगों की वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप व्यावहारिक एवं कौशल-आधारित प्रशिक्षण उपलब्ध करा रहा है। यही कारण है कि छात्र अपनी पढ़ाई के दौरान ही इंडस्ट्री के अनुरूप तैयार हो रहे हैं और कोर्स पूर्ण होते ही प्रतिष्ठित कंपनियों में उनका चयन सुनिश्चित हो रहा है।

उम्र- 23 साल, एक साल पहले लव-मैरिज की थी, ससुर ने दामाद को डराने के लिए भेजा था

यूपी में कारोबारी की हत्या करने वाला मारा गया

तमसा संकेत, एजेंसी

पीलीभीत। यूपी के पीलीभीत में 23 साल के बदमाश शिवम उर्फ सर्वजीत को पुलिस ने एनकाउंटर में मार गिराया। शनिवार रात 10 बजे पुलिस ने सर्वजीत को घेर लिया। उसे सरेंडर करने के लिए कहा। लेकिन, शिवम ने ऑटोमैटिक हथियार से ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। जवाबी एक्शन में पुलिस की दो गोलियां उसके सीने में लगीं। वह जमीन पर गिर पड़ा। पुलिस उसे अस्पताल ले गई। जहां उसकी मौत हो गई। सर्वजीत कारोबारी पप्पू गुप्ता हत्याकांड में वांटेड था। एक महीने से पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। उस पर 1.75 लाख का इनाम रखा था। 28 मई को बिलसंडा थाना क्षेत्र में कारोबारी पंकज कटियार को धमकाने के लिए उनके ससुर ने बदमाश भेजे थे। दुकान के बाहर ही पंकज की बदमाशों से कहासुनी हो रही थी। इस दौरान पड़ोसी पप्पू गुप्ता बीच-बचाव करने पहुंच गए। विवाद बढ़ा तो उनमें से एक ने फायरिंग कर दी। इसमें पप्पू की मौके पर मौत हो गई।

एनकाउंटर जिला मुख्यालय से 58 किमी दूर बिलसंडा थाना क्षेत्र के शीतलपुर गांव में हुआ। लखीमपुर खीरी और आसपास के जिलों में सर्वजीत पर 2 हत्याओं समेत 12 केस दर्ज थे।

पुलिस की जवाबी कार्रवाई में बदमाश सर्वजीत को 2 गोलियां लगीं। अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

शिवम ने एक साल पहले लव-मैरिज की थी

एनकाउंटर में मारे गए शिवम ने एक साल पहले ही लव-मैरिज की थी। परिवार मूलरूप से लखीमपुर के उचौलिया का रहने वाला है। परिवार में 4 भाई और एक बहन है। अब 3 भाई बचे हैं। पिता की तबीयत ठीक नहीं रहती है, इसलिए वह घर पर ही रहते हैं। बड़े भाई नेतराम राजमिस्त्री हैं। नेतराम ने बताया कि हरदोई की एक लड़की से शिवम ने शादी की थी। अपराध की दुनिया में आने के बाद से घर आना जाना कम कर दिया था। पत्नी को कभी घर लेकर नहीं आया था। शुरुआत में बाइक व ट्रक लूट जैसी वारदात की थी। बाद में धमकी देना, मर्डर, लूट जैसी वारदात करने लगा था।

पत्नी रोते हुए बोली- पुलिस का शुक्रिया, बचे आरोपियों का भी एनकाउंटर हो

सर्वजीत के एनकाउंटर में मारे जाने पर पप्पू गुप्ता की पत्नी अनीता रोते हुए बोलीं- पुलिस का शुक्रिया। योगीजी को भी धन्यवाद। बाकी बचे आरोपियों का भी जल्द एनकाउंटर करें। हमारा कोई सहारा नहीं है। मेरे बच्चे छोटे हैं। जो लोग हमसे मदद का वादा करके गए थे, वह दोबारा नहीं आए। मैं बस यही चाहती हूं कि हमारी मदद की जाए। मैं अपना गुजर बसर कैसे करूंगी। वहीं, पप्पू के बड़े बेटे श्यामू गुप्ता ने कहा- ये बहुत अच्छी बात है कि पुलिस ने अरोपी का एनकाउंटर कर दिया। मैं बस यही कहना चाहूंगा। बाकी बचे जो 14 लोग हैं, उन्हें जल्द पकड़ा जाए।

स्थापना दिवस पर निकली भव्य बाइक रैली

शक्ति धाम में जनसभा के साथ हुआ समापन

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। तहसील फतेहपुर में रविवार को अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल का स्थापना दिवस समारोह उत्साह, जोश और उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन के जिला अध्यक्ष जयशंकर जोशी ने की। स्थापना दिवस के अवसर पर संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने भव्य बाइक रैली निकालकर संगठन की एकजुटता और सामाजिक समरसता का संदेश दिया। बाइक रैली का शुभारंभ फतेहपुर ब्लॉक तिराहे से हुआ, जहां बड़ी संख्या में कार्यकर्ता अपने दोपहिया वाहनों के साथ एकत्र हुए। रैली में शामिल कार्यकर्ता भारत माता की जय, वंदे मातरम् और जय श्रीराम के उद्घोष लगाते हुए नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरे। पूरे मार्ग में लोगों ने रैली का स्वागत किया। अनुशासित ढंग से निकाली गई इस रैली ने नगर भ्रमण करते हुए महादेव तालाब स्थित शक्ति धाम पहुंचकर समापन किया। शक्ति धाम में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने संगठन की स्थापना के उद्देश्य, राष्ट्र सेवा, सामाजिक समरसता और जनकल्याण के कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संगठन समाज के हर वर्ग को साथ लेकर राष्ट्रहित और समाजहित के कार्यों में निरंतर सक्रिय भूमिका निभा रहा है। साथ ही युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में संगठन से जुड़कर सेवा कार्यों में योगदान देने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम के दौरान संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने, सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियों में सहभागिता बढ़ाने तथा जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए कार्यकर्ताओं को प्रेरित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि संगठन का उद्देश्य केवल धार्मिक कार्यक्रमों तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज सेवा, सांस्कृतिक संरक्षण और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करना भी है।

कानपुर में मोहर्रम के जुलूस में पथराव-मारपीट

कानपुर। कानपुर में बजरिया थानाक्षेत्र में मोहर्रम के जुलूस के दौरान बाबा स्वीट हाउस के पास दो पक्षों में विवाद हो गया। घटना के दौरान दोनों पक्षों में जमकर लाठी-डंडे चले, युवकों ने एक दूसरे पर पथराव किया, जिससे जुलूस में भगदड़ मच गई। स्थानीय लोग अपनी जान बचाकर घरों में कैद हो गए। घटना का वीडियो शनिवार देर रात सामने आया तो पुलिस हरकत में आई और चौकी इंचार्ज की तहरीर पर मुकदमा दर्ज तीन आरोपियों को अरेस्ट कर लिया।

वीडियो मोहर्रम के जुलूस के दौरान गुरुवार रात को बताया जा रहा है। जुलूस बाबा स्वीट हाउस वाली रोड से रहमानी मार्केट की ओर जा रहा था। इस दौरान चांद लस्सी वाली गली से जुलूस की ओर बढ़ रहे युवकों ने पथराव कर दिया। साथ ही लाठी-डंडे से कई युवकों को दौड़ा-दौड़ा पीटा, जिससे जुलूस में भगदड़ मच गई। जिसके बाद दूसरे पक्ष के युवकों ने पथराव कर दिया। जुलूस में मारपीट होने की वजह से इलाके में हड़कंप मच गया।

रोहित सिंह राजावत की पुस्तक सकारात्मकता का अमृतपान प्रकाशित

यह सिर्फ एक पुस्तक ही नही बल्कि युवाओं में एक नयी ऊर्जा के संचार का माध्यम बनेगी- रोहित सिंह राजावत

तमसा संकेत, संवाददाता

महोबा। सार्थक सोच और सकारात्मकता का ऐसा असर की लिख डाली सकारात्मकता का अमृतपान एक युवक जिसने सदैव सकारात्मक विचारों को ऐसा आत्मसाध किया की उस पर एक पुस्तक सकारात्मकता का अमृतपान लिखी जिसे बुक्स क्लिनिक पब्लिकेशन ने प्रकाशित की पुस्तक के लेखक रोहित सिंह राजावत बुन्देलखण्ड के निवासी है जो कि रिसर्च स्कॉलर है वो अपने माता पिता ,शिक्षकों के साथ निवर्तमान साँसद कुँ0 पुष्पेंद्र चन्देल को अपना आदर्श मानते है जिनकी प्रेरणा ,सकारात्मक सिद्धांत, विचारों और कार्यशैली से प्रभावित होकर यह पुस्तक लिखी पुस्तक का उद्देध्य वर्तमान में आधुनिकता के भागदौड़ में एक तरफ हम सब बहुत कुछ अर्जित कर रहे है परंतु इन सबमे हम क्या खोते जा रहे है? जो उनमें तनाव,क्रोध, का कारण बन रहा उसका जिक्र इस पुस्तक में है

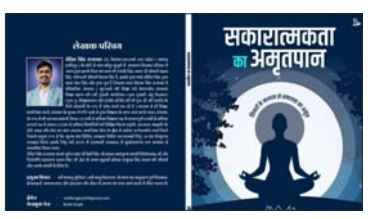

सकारात्मकता का अमृतपान सिर्फ एक पुस्तक नही बल्कि उन छोटी छोटी बातों का संगम है जो प्रत्येक के जीवन मे एक नई उमंग का संचार करने में माध्यम बनेगी रोहित सिंह लंबे समय से एक शिक्षक के रूप में प्राचार्य के रूप में हजारों विद्यार्थियों को शिक्षित कर चुके है और यही कारण है कि युवाओं की समस्याओं को समझते है और उनके निवारण के सम्बंध में काफी प्रयास करते आये है। रोहित सिंह शिक्षा के साथ- साथ सामाजिक कार्यो में भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते है जानकारी के अनुसार 14 बार अलग अलग जरूरतमंद रोगियों के लिए निशुल्क रक्तदान करके रक्तदाता के रूप में भी पहचान बनाई जिसके लिए राजधानी लखनऊ में बुन्देलखण्ड रत्न सम्मान मिला। रोहित सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि इस पुस्तक के एक एक शब्द मानव हित और उसमे एक नई उमंग ऊर्जा का संचार करने का माध्यम बनेंगे विशेष तौर पर युवाओं को यह पुस्तक जरूर पढ़नी चाहिए पुस्तक लिखने का एक मात्र उद्देश्य यही था सकारात्मकविचारों का संगम इसका अमृतपान का असर एक एक व्यक्ति एक एक युवा तक पहुंचे इस अमृत का लाभ सबको मिले।। यह पुस्तक गूगल प्ले स्टोर,ऐमजॉन, ईबुक पर उपलब्ध है बहुत जल्द फलिफ़्कार्ड में भी उपलब्ध हो जाएगी।

पृष्ठ 01 का शेष...

'नेशन नहीं डोनेशन...

इस दौरान अखिलेश ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर सरकार और भाजपा पर जमकर निशाना साधा। कहा कि अयोध्या ही नहीं, पूरे उत्तर प्रदेश में जनता आक्रोशित है। सुना है डोनेशन के तार कर्नाटक और महाराष्ट्र से जुड़े हैं।

अखिलेश ने कहा कि रामनगरी में हुए 'गोरखधंधे' को हमने उजागर किया। इसके बाद सच्चाई सामने आई। कि जो लोग पहले 'नेशन फर्स्ट' की बात करते थे, उनके लिए अब 'डोनेशन फर्स्ट' हो गया है। सपा का मानना है कि आस्था और श्रद्धा से खिलवाड़ हुआ है। भाजपा के शब्दकोष में न धर्म है न शर्म है।

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के मंदिर को लेकर जिस तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं, वो किसी ने सोचा भी नहीं था। उन्होंने कहा- भाजपा 4C (चंदा, चोरी, चतुराई, चालाकी) पर काम कर रही है।

प्रेस वार्ता के दौरान अखिलेश यादव ने राम मंदिर में चढ़ावा चोरी को लेकर भाजपा पर कटाक्ष किया। उन्होंने चार लाइन को कविता के अंदाज में कहा- चोर-चोर मौसेरे भाई, जिन्होंने चुराई राम की पाई। देखो जा रहा वो भाजपाई, जिसने खाई राम की पाई।

अखिलेश यादव ने कहा- समाजवादी ऑडिट, रामनगरी में गोरखधंधा, इसकी भी किताब हम लोगों ने ऑडिट की है। जो भी जानकारी हमें पता चली या आपसे मिली, उन सभी का ऑडिट किया है। लेकिन, भाजपा ने किसी का भी जवाब नहीं दिया है।

12 हजार मुहर्रम ...

आप ताजिए का साइज छोटा कर दीजिए। जरूरी नहीं कि गरीब का मकान हटे। छज्जा नहीं टूटेगा। हाईटेंशन तार नहीं हटेगा। लंबा करोगे तो हाईटेंशन लाइन के करंट की चपेट में आओगे।

अयोध्या अपनी ...

खिस्यानी बिल्ली खंभा नोचे वाले कहावत को चरितार्थ मत करो। अयोध्या अपनी पहचान के लिए आप पर मोहताज नहीं है। अयोध्या की अपनी पहचान है। और अयोध्या ने अपनी पहचान को दुनिया के अंदर फिर से बनाया हुआ है।

सोनम वांगचुक ने ...

सोनम के अनशन के दौरान 24 सितंबर 2025 को लेह हिंसा हुई थी। इन प्रदर्शनों में 4 लोगों की मौत हुई थी। 90 लोग घायल हुए थे। सरकार का आरोप है कि वांगचुक ने इस हिंसा को भड़काया।

दो दिन बाद 26 सितंबर को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (NSA) के तहत वांगचुक को हिरासत में लिया था। इसके बाद उन्हें फौरन जोधपुर शिफ्ट कर दिया था। कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) की शुरुआत चीफ जस्टिस सूर्यकांत की एक टिप्पणी के बाद हुई। 15 मई को एक मामले की सुनवाई के दौरान उन्होंने कहा था कि कुछ बेरोजगार युवा कॉकरोच की तरह होते हैं, जो बाद में मीडिया, सोशल मीडिया या RTI एक्टिविस्ट बनकर सिस्टम पर हमला करते हैं।

इस टिप्पणी के अगले दिन, 16 मई को अमेरिका में रह रहे अभिजीत दीपके ने CJP की शुरुआत की और सोशल मीडिया पर पार्टी के अकाउंट बनाए। 22 मई को उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर एक ऑनलाइन याचिका शुरू की, जिसे 8 लाख से अधिक लोगों का समर्थन मिलने का दावा किया गया।

10 जून तक CJP ते इंस्टाग्राम पर 2.27 करोड़ फॉलोअर्स थे। अब इसमें दो लाख की गिरावट आई है। फिर भी यह संख्या भाजपा के 94 लाख और कांग्रेस के 1.37 करोड़ फॉलोअर्स से ज्यादा है। एक्स पर CJP के 2.79 लाख फॉलोअर्स हैं। 30 साल के अभिजीत महाराष्ट्र के संभाजी नगर के रहने वाले डिजिटल मीडिया स्ट्रैटजिस्ट हैं। अभिजीत ने पुणे से पत्रकारिता की पढ़ाई की है। फिलहाल, अमेरिका की बॉस्टन यूनिवर्सिटी में पब्लिक रिलेशंस से मास्टर्स की पढ़ाई कर रहे हैं।

सऊदी अरब में ...

कंपनी का मुख्यालय धहरान में स्थित है। अरामको के पास दुनिया के सबसे बड़े तेल भंडारों में से एक है और यह प्रतिदिन लाखों बैरल कच्चे तेल का उत्पादन करती है, जिससे यह वैश्विक ऊर्जा बाजार की प्रमुख आपूर्तिकर्ता बन गई है।

सऊदी अरब की अर्थव्यवस्था काफी हद तक इसी कंपनी की आय पर निर्भर करती है। अरामको केवल कच्चे तेल का उत्पादन ही नहीं करती, बल्कि रिफाइनिंग, पेट्रोकेमिकल्स और प्राकृतिक गैस के क्षेत्र में भी सक्रिय है।

इसके नियंत्रण में दुनिया का सबसे बड़ा पारंपरिक तेल क्षेत्र, गवार, भी आता है। 2019 में कंपनी ने शेयर बाजार में अपना आईपीओ लॉन्च किया, जिसे इतिहास का सबसे बड़ा आईपीओ माना गया। हाल के वर्षों में अरामको रिन्यूबल एनर्जी, हाइड्रोजन और कार्बन कैप्चर जैसी तकनीकों में निवेश बढ़ा रही है।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ ...

सुरक्षा एजेंसियां उससे पूछताछ कर रही हैं ताकि यह पता लगाया जा सके कि उसने सीमा क्यों पार की, भारत में उसका कोई संपर्क था या उसका कोई विशेष उद्देश्य था।

इस बीच, जम्मू के सांबा जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) पर रविवार तड़के एक संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन भारतीय सीमा में कुछ देर तक मंडराता दिखाई दिया। अधिकारियों के अनुसार, ड्रोन नुंदपुर गांव के पास देखा गया। इसके बाद सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), सेना और पुलिस ने संयुक्त तलाशी अभियान चलाया।

राममंदिर चढ़ावा चोरी...

खरीदी गई संपत्तियों के दस्तावेज और बैंक अकाउंट डिटेल खंगाले गए। परिजनों के बयान दर्ज किए गए। छापेमारी में राजस्व अधिकारियों खासकर लेखपालों को शामिल किया गया।

पुलिस ने दोपहर 3 बजे तक करीब 8 घंटे जांच की। इस दौरान राम मंदिर से जुड़ने के बाद आरोपियों के लाइफ स्टाइल में आए बदलाव को लेकर पड़ताल की गई। चोरी का मामला पहली बार 7 जून को सामने आया। यूपी सरकार ने 13 जून को SIT बनाई। SIT ने 23 जून को एडिशनल चीफ सेक्रेटरी (गृह) संजय प्रसाद को प्रारंभिक रिपोर्ट सौंपी। 25 जून को ट्रस्ट के सदस्य कृष्ण मोहन की शिकायत पर पहली FIR दर्ज हुई। इसमें रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू समेत 8 को नामजद किया गया। हालांकि, चंपत राय, डॉ. अनिल मिश्रा समेत अन्य बड़े पदाधिकारियों के नाम नहीं हैं।

एमपी में बिजली गिरने ...

राजस्थान के 16 जिलों में बारिश हुई। बिहार के बेगूसराय, बांका समेत 6 जिलों में तेज बारिश हो रही है। मुजफ्फरपुर में 1 घंटे की बारिश से कई जगह पानी जमा हो गया है। मानसून ने देश के 22 राज्यों को कवर कर लिया है। 5 जुलाई तक बाकी राज्यों को कवर कर सकता है। यूपी में मानसून 9 दिन लेट है। यह आमतौर पर 20 जून तक आ जाता है, लेकिन इस बार 16 दिनों से बिहार बॉर्डर पर रुका हुआ है। यह आज बिहार बॉर्डर से प्रदेश में एंट्री कर सकता है।

मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, बिहार और गुजरात के कई शहरों में बुधवार को पारा 40C से ज्यादा रहा। देश में सबसे ज्यादा पारा राजस्थान के फलोदी में 43.8C दर्ज किया गया।

वहीं यूपी के आगरा और प्रयागराज में 43.2C, हरियाणा के भिवानी में 43C, एमपी के उमरिया में 42C, दिल्ली में 41.9C और गुजरात के राजकोट में 40.9C रहा। यूपी के अलीगढ़ में गर्मी की वजह से 8वीं तक के स्कूलों की टाइमिंग बदल दी गई।

अर्जेंटीना ने जॉर्डन को 3-1 से हराया, रोनाल्डो के पुर्तगाल ने कोलंबिया से ड्रॉ खेला

मेसी लगातार 7 वर्ल्डकप मैच में गोल करने वाले फुटबॉलर

शानदार

नई दिल्ली, एजेंसी

अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनल मेसी लगातार 7 वर्ल्ड कप मैच में गोल करने वाले दुनिया के पहले फुटबॉलर बने हैं। वे रविवार को ग्रुप जे के मुकाबले में जॉर्डन के खिलाफ सब्स्टीट्यूट के रूप में उतरे और 80वें मिनट में फ्री किक पर गोल दागा। मेसी को 20 साल बाद अर्जेंटीना की स्टार्टिंग-11 में जगह नहीं मिली है। इससे पहले 30 जून 2006 को होस्ट जर्मनी के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मैच में ऐसा हुआ था। मेसी के इस गोल की मदद से अर्जेंटीना ने डलास स्टेडियम में खेले

गए मैच में जॉर्डन को 3-1 से हराया। इस जीत से अर्जेंटीना की टीम ग्रुप जे के टॉप पर रहकर नॉकआउट राउंड में पहुंची। टीम ने अपने लीग स्टेज में अपने तीनों मुकाबले जीते और 9 अंक हासिल किए। अल्जीरिया और ऑस्ट्रिया का मैच 3-3 की बराबरी पर रहा।

स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो की टीम पुर्तगाल ने फुटबॉल वर्ल्ड कप के नॉकआउट में प्रवेश कर लिया। मियामी स्टेडियम में रविवार को पुर्तगाल ने कोलंबिया के साथ गोल रहित ड्रॉ खेला। ग्रुप-के मैच में कोलंबिया ने इंजरी टाइम पर डेविनसन सांचेज ने हेडर के जरिए गोल दागा, लेकिन उनके ऑफ साइड होने पर रेफरी ने इसे अमान्य कर दिया। टीम ने पहली बार वर्ल्ड कप में गोल रहित ड्रॉ खेला है।

फ्री-किक से भी बनाया खास रिकॉर्ड

यह मेसी के करियर का 72वां और अर्जेंटीना के लिए 12वां फ्री किक गोल था। वर्ल्ड कप में यह उनका दूसरा फ्री-किक गोल रहा। इसके साथ ही वे पेले, रिवेलिनो, तेओफिलो कुबिलास, बर्नार्ड जेंघिनी और डेविड बेकहम के बाद वर्ल्ड कप में दो फ्री-किक गोल करने वाले प्लेयर्स के क्लब में शामिल हो गए। मेसी के अब इस वर्ल्ड कप में छह गोल हो चुके हैं। वे गोल्डन बूट की रेस में सबसे आगे हैं। किलियन एमबाप्पे, विनीसियस जूनियर और एरलिंग हालैंड से दो गोल आगे हैं। इतना ही नहीं, मेसी ने वर्ल्ड कप करियर में 19वां गोल दागा है। उन्होंने मेंस वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने के रिकॉर्ड को और बेहतर किया।

सेल्सो और मार्टिनेज ने भी गोल दागे

मेसी के अलावा जियोवानी लो सेल्सो ने 19वें मिनट में फ्री-किक पर गोल करके अर्जेंटीना को 1-0 की बढ़त दिलाई। फिर लाउतारो मार्टिनेज ने 31वें मिनट में पेनाल्टी को गोल में हाफ टाइम से पहले बढ़त को दोगुना कर दिया। दोनों खिलाड़ियों का यह विश्व कप में पहला गोल रहा। दूसरे हाफ की शुरुआत में मैदान पर आए मौसा अलतमारी ने 55वें मिनट में गोल कर जॉर्डन की वापसी की उम्मीद जगाई, लेकिन अर्जेंटीना ने मैच पर नियंत्रण बनाए रखा। पहली बार वर्ल्ड कप खेल रही जॉर्डन की टीम तीनों मुकाबले हारकर बाहर हो गई।

मेसी इस वर्ल्ड कप में 6 गोल कर चुके हैं।

सोजन ने तोड़ा अंजू जॉर्ज का 22 साल पुराना रिकॉर्ड

6.88 मीटर की छलांग लगाकर रचा इतिहास

भुवनेश्वर, एजेंसी

केरल की लंबी कूद खिलाड़ी एंसी सोजन ने भारतीय एथलेटिक्स में इतिहास रच दिया। उन्होंने शनिवार को नेशनल इंटर-स्टेट सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 6.88 मीटर की छलांग लगाकर अंजू बॉबी जॉर्ज का 22 साल पुराना नेशनल रिकॉर्ड तोड़ दिया।

भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में 25 साल की एंसी ने यह रिकॉर्ड अपने पांचवें प्रयास में बनाया। उन्होंने अंजू बॉबी जॉर्ज के 6.83 मीटर को पीछे छोड़ा। यह उन्होंने 2004 एथेंस ओलिंपिक में बनाया था। यह भारतीय एथलेटिक्स के सबसे पुराने रिकॉर्ड में से एक था।

पिछले 20 साल में 6.85 मीटर से ज्यादा छलांग लगाने वाली एशिया की सिर्फ दूसरी महिला बनीं।

अंजू बॉबी जॉर्ज ने 2004 एथेंस ओलिंपिक में 6.83 मीटर की छलांग

लगाकर राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था। इसके बाद दो दशकों तक कोई भी भारतीय महिला इस रिकॉर्ड को नहीं तोड़ सकी। अंजू 2003 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज जीतने वाली पहली भारतीय एथलीट भी थीं। उनका यह रिकॉर्ड भारतीय एथलेटिक्स की पहचान माना जाता था। अब एंसी ने उसे अपने नाम कर लिया है। 6.88 मीटर की छलांग के साथ एंसी एशियाई इतिहास की 8वीं बेस्ट महिला लॉन्ग जम्पर बन गई हैं। इतना ही नहीं, पिछले 20 साल में 6.85 मीटर से ज्यादा छलांग लगाने वाली वह सिर्फ दूसरी एशियाई महिला हैं।

न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड पर 204 रन की बढ़त बनाई

रचिन रवींद्र फिफ्टी बनाकर नाबाद लौटे, इंग्लैंड 354 रन पर सिमटा

नॉटिंघम, एजेंसी

न्यूजीलैंड ने तीसरे टेस्ट के तीसरे दिन इंग्लैंड पर 204 रन की बढ़त हासिल कर ली है। ट्रेंट ब्रिज में शनिवार को स्टंप्स तक कीवियों ने दूसरी पारी में 3 विकेट पर 120 रन बना लिए हैं। रचिन रवींद्र फिफ्टी बनाकर नाबाद हैं।

इससे पहले इंग्लैंड पहली पारी में 354 रन पर ऑलआउट हो गई। न्यूजीलैंड को पहली पारी के आधार पर 84 रन की बढ़त मिली। कीवियों ने पहली पारी में 438 रन बनाए थे। दूसरी पारी में न्यूजीलैंड की शुरुआत खराब रही। टीम ने सिर्फ 12 रन पर ओपनर्स के विकेट गंवा दिए थे। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने नई गेंद से शानदार गेंदबाजी करते हुए पहले ही ओवर

में टॉम लैथम (4 रन) और पांचवें ओवर में डेवोन कॉन्वे (5 रन) को आउट किया।

इसके बाद रचिन रवींद्र ने पहले हेनरी निकोल्स और फिर डेरिल मिचेल के साथ मिलकर पारी को संभाला। रवींद्र ने लगातार दूसरे टेस्ट में अर्धशतक लगाया। इससे पहले उन्होंने द ओवल टेस्ट में 76 रन बनाए थे। दिन का खेल समाप्त होने तक वह 60 रन और डेरिल मिचेल 26 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे। 223/2 के स्कोर से दिन की शुरुआत करने वाली इंग्लिश टीम ने आखिरी 8 विकेट 131 रन बनाने में गंवा दिए। जैकब बेथेल (74 रन) और जो रूट (21 रन) पिछले दिन के स्कोर में इजाफा नहीं कर सके। बेथेल को विल ओरूर्क ने टॉम लैथम के हाथों कैच कराया। जबकि रूट को नाथन स्मिथ ने LBW किया। ऐसे में हैरी ब्रूक (58 रन) ने अर्धशतक लगाकर टीम को 300 पार पहुंचाया।

विमेंस वर्ल्डकप में साउथ अफ्रीका-बांग्लादेश मैच पर भी नजर होगी, लॉर्ड्स में आज दो मुकाबले

भारत को सेमीफाइनल के लिए ऑस्ट्रेलिया से जीतना होगा

लंदन, एजेंसी

विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप के ग्रुप-ए से दूसरा सेमीफाइनलिस्ट आज तय होगा। लॉर्ड्स में दो मुकाबले होंगे। पहले मैच में साउथ अफ्रीका का सामना बांग्लादेश से होगा। दूसरे मैच में भारत और ऑस्ट्रेलिया आमने-सामने होंगे।

ऑस्ट्रेलिया लगभग सेमीफाइनल में पहुंच चुका है। दूसरा स्थान भारत और साउथ अफ्रीका के बीच तय होगा। भारत के 4 मैचों में 6 अंक और +2.268 का नेट रनरेट है। साउथ अफ्रीका के भी 6 अंक हैं, लेकिन उसका नेट रनरेट +0.734 है। बांग्लादेश 4 अंक के साथ दौड़ में है, लेकिन उसका रनरेट (-0.849) काफी खराब है। ऑस्ट्रेलिया 8 पॉइंट्स के साथ टॉप

पर है। भारत और ऑस्ट्रेलिया 38 टी-20 में आमने-सामने हुए हैं। इसमें से ऑस्ट्रेलिया ने 27 और भारत ने 10 मैच जीते हैं। एक मैच बेनतीजा रहा है।

अगर ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश जीतते हैं तो ऑस्ट्रेलिया के 10 अंक हो जाएंगे, जबकि भारत, साउथ अफ्रीका और बांग्लादेश 6-6 अंकों पर रहेंगे। भारत की बेहतर नेट रनरेट उसे दूसरे स्थान पर बनाए रखेगी। सेमीफाइनल से बाहर होने के लिए भारत को करीब 120 रन से हारना होगा और बांग्लादेश को भी साउथ अफ्रीका पर बड़े अंतर से जीत दर्ज करनी होगी।

यदि ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका अपने-अपने मैच जीतते हैं तो ऑस्ट्रेलिया 10 अंकों के साथ पहले और साउथ अफ्रीका 8 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर सेमीफाइनल में पहुंच जाएगा।

यदि भारत और बांग्लादेश दोनों जीतते हैं तो भारत और ऑस्ट्रेलिया सेमीफाइनल में पहुंचेंगे। ऑस्ट्रेलिया टॉप पर रहेगा, जब तक भारत उसे बहुत बड़े अंतर से नहीं हरा देता।

भारत जीता तो सेमीफाइनल तय

अगर भारत और साउथ अफ्रीका अपने-अपने मैच जीतते हैं तो तीनों टीमों के 8-8 अंक हो जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया बेहतर नेट रनरेट के कारण टॉप पर रहेगा। भारत का नेट रनरेट भी साउथ अफ्रीका से बेहतर है, इसलिए जीत उसे सेमीफाइनल में पहुंचा देगी।

अगर भारत पहले बल्लेबाजी कर 200 रन बनाता है तो ऑस्ट्रेलिया से टॉप स्थान छीनने के लिए उसे 93 रन से जीतना होगा। 160 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत को करीब 8.1 ओवर में मैच जीतना होगा। साउथ अफ्रीका को ऑस्ट्रेलिया से आगे निकलने के लिए लगभग 210 रन से जीत दर्ज करनी होगी, जो लगभग असंभव है।

मनोरंजन

32 साल बाद एक्ट्रेस ने पहली बार बताई 'बाजीगर' के सीन के पीछे की कहानी

शाहरुख के धक्का देने के बाद क्यों मुस्कुराती रहीं शिल्पा

नई दिल्ली। शाहरुख खान और शिल्पा शेट्टी की फिल्म बाजीगर का एक सीन आज भी लोगों के बीच चर्चा में रहता है। फिल्म में शाहरुख का किरदार शिल्पा के किरदार को छत से धक्का देता है। खास बात यह है कि नीचे गिरते वक्त शिल्पा के चेहरे पर मुस्कान दिखाई देती है। अब इस आइकॉनिक सीन के पीछे की कहानी शिल्पा शेट्टी ने करीब 32 साल बाद पहली बार शेयर की। खास बातचीत में शिल्पा से पूछा गया कि उस सीन में गिरते समय वह क्यों मुस्कुरा रही थीं। इसके जवाब में उन्होंने बताया कि उस समय VFX या CGI (कंप्यूटर-जनरेटेड इमेजरी) जैसी आधुनिक तकनीक नहीं थी। पूरा सीन स्ट्रिंग वर्क के सहारे फिल्माया गया था।

शिल्पा ने कहा कि इस एक सीन को शूट

करने के लिए उन्हें 15 से 20 टेक देने पड़े और इसकी शूटिंग में करीब 4 दिन लगे। उन्होंने बताया कि अगर आज उस सीन को ध्यान से देखा जाए तो जिस स्ट्रिंग पर वह लटकी हुई थीं, वह आज भी फ्रेम में दिखाई देती है। आज की तकनीक से उसे आसानी से हटाया जा सकता है, लेकिन उस समय ऐसा संभव नहीं था। शिल्पा ने बाजीगर को अपने दौर से काफी आगे की फिल्म बताया। उन्होंने कहा कि इस फिल्म में एक अलग ही आत्मा थी।

> फिल्म में शिल्पा शेट्टी और शाहरुख खान पर फिल्माया गया गाना ऐ मेरे हमसफर आज भी बेहद लोकप्रिय है। इसके अलावा किताबें बहुत सी गाना भी काफी पसंद किया गया था।

'बाजीगर' से शिल्पा ने फिल्मों में डेब्यू किया था

'बाजीगर' (1993) शिल्पा शेट्टी की पहली फिल्म है। इस फिल्म का निर्देशन प्रसिद्ध डायरेक्टर जोड़ी अब्बास-मुस्तान ने किया था। फिल्म में शिल्पा शेट्टी के साथ मुख्य भूमिकाओं में शाहरुख खान और काजोल थे। फिल्म की रिलीज (12 नवंबर 1993) के समय शिल्पा की उम्र केवल 18 साल थी। अपनी पहली ही फिल्म में बेहतरीन अभिनय के लिए शिल्पा शेट्टी को फिल्मफेयर 'बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस' के पुरस्कार के लिए नामिनेट किया गया था।

'हर्षाली ने 20 बार सलमान के हाथ पर थूका था'

नई दिल्ली। फिल्म बजरंगी भाईजान के सेट से जुड़ा एक किस्सा एक्टर मनोज बख्शी ने हाल ही में शेयर किया। उन्होंने बताया कि शूटिंग के दौरान चाइल्ड आर्टिस्ट हर्षाली मल्होत्रा को सीन की जरूरत के चलते कई बार सलमान खान के हाथ पर थूकना पड़ा। मनोज ने बताया कि सलमान ने बिना किसी हिचक के करीब 20 बार अपना हाथ आगे कर दिया।

मनोज बख्शी ने द वी टी शो पॉडकास्ट में बजरंगी भाईजान की शूटिंग का एक अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि उस दौरान उन्हें एहसास हुआ कि सुपरस्टार होने के बावजूद सलमान खान का व्यवहार बेहद सहज और विनम्र है। मनोज के अनुसार, फिल्म के एक सीन में मुन्नी का किरदार निभा रहीं हर्षाली मल्होत्रा को कैमरे की ओर देखकर

फिल्म 'बजरंगी भाईजान' के एक्टर मनोज बख्शी ने शूटिंग का किस्सा शेयर किया

नॉन-वेज खाते हुए दिखाना था। निर्देशक कबीर खान के निर्देशानुसार उन्हें चबा-चबाकर खाना था, लेकिन कई बार उनके मुंह में बड़ा टुकड़ा आ जाता था, जिसे वह चबा नहीं पाती थीं। ऐसी स्थिति में शूटिंग रोकने के बजाय सलमान खान ने अपना हाथ आगे बढ़ाकर हर्षाली से कहा था कि वह उसमें थूक दें।

'मुझे लगा कि शायद मैं मर जाऊंगा'

सैफ अली खान बोले- हमलावर को माफ करना चाहता हूं, लेकिन हमला भूलना आसान नहीं

> दरअसल, 15 जनवरी 2025 को सैफ के बांद्रा स्थित घर में हमलावर ने चोरी के प्रयास के दौरान उन पर चाकू से हमला किया था। घटना के बाद सैफ को तुरंत लीलावती अस्पताल ले जाया गया था।

नई दिल्ली। एक्टर सैफ अली खान ने हाल ही में उन पर हुए चाकू हमले को याद करते हुए कहा कि उस रात उन्हें लगा था कि शायद वह बच नहीं पाएंगे। उन्होंने बताया कि वह हमलावर को माफ करना चाहते हैं, लेकिन जिस तरह उन पर हमला हुआ, उसे भूलना उनके लिए आसान नहीं है।

सैफ अली खान ने 'मोजो स्टोरी' को दिए इंटरव्यू में बताया कि हमले के दौरान उनका सफेद कुर्ता-पायजामा खून से लथपथ हो गया था। सैफ ने कहा, एक समय मैं जमीन पर पड़ा था। उस वक्त मुझे लगा कि शायद मैं मर जाऊंगा।

उन्होंने आगे कहा, ₹उस समय शरीर में इतना जोश था कि डर कम लग रहा था। मुझे ऐसा महसूस हुआ कि मैंने अपनी जिंदगी पूरी तरह जी ली है। बस एक बार अपने बच्चों से मिलकर उनका हाथ पकड़ना और उन्हें अलविदा कहना चाहता था। मुझे लगा कि मेरी जिंदगी बहुत अच्छी रही है, लेकिन कुछ देर बाद मैंने खुद से कहा, नहीं, अभी सब खत्म नहीं हुआ है। मुझे अभी और जीना है। पांच घंटे की सर्जरी में उनकी रीढ़ से चाकू का टुकड़ा निकाला गया था। वहीं, वो करीब एक हफ्ते तक अस्पताल में एडमिट थे। इलाज के बाद एक्टर को 21 जनवरी को डिस्चार्ज किया गया। पुलिस ने मामले में बांग्लादेशी नागरिक शरीफुल इस्लाम को गिरफ्तार किया था। शो में सैफ ने यह भी बताया कि अस्पताल से निकलने के बाद उन्होंने व्हीलचेयर का इस्तेमाल इसलिए नहीं किया ताकि फैंस को लगे कि वह ठीक हैं।

सैफ हमलावर को माफ करना चाहते हैं

सैफ ने यह भी कहा कि वो उन पर हमला करने वाले शख्स को माफ भी करना चाहते हैं। जब उनसे पूछा गया, आप उसे माफ क्यों करना चाहते हैं? तो उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि उससे बहुत बड़ी गलती हो गई। मेरा नहीं मानना कि वह लड़ाई करने आया था। शायद मुझे भी उस पर झपटना नहीं चाहिए था। सैफ आगे बोले, मुझे लगता है कि मैं उससे बात करके उसे समझा सकता था। शायद मामला वहीं खत्म हो जाता। अब वह शायद कई साल जेल में रहेगा। मैं उसे माफ करना चाहता हूं। लेकिन जिस तरह उसने मुझे मारने की कोशिश की, उसे भूलना मेरे लिए आसान नहीं है। काश मैं यह सब भूल पाता और उसे माफ कर पाता। सैफ ने अंत में यह भी कहा, मुझे लगता है कि समाज में अमीर और गरीब के बीच की दूरी और असमानता भी ऐसी घटनाओं की एक वजह है। इसलिए मैं उसकी बात कुछ हद तक समझ सकता हूं।

अब तक 1430 मौतें, 3300 लोग घायल, 72 घंटे बाद 68 हजार लोग अब भी लापता

वेनेजुएला में फिर 5.6 तीव्रता का भूकंप

कोहराम

करावकस, वेनेजुएला, एजेंसी

दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में रविवार को फिर 5.6 तीव्रता का भूकंप आया। यूरो-मेडिटेरेनियन सीस्मोलॉजिकल सेंटर (EMSC) के मुताबिक भूकंप का केंद्र अरागुआ तट के पास समुद्र में 30 किलोमीटर की गहराई में था।

यह भूकंप 24 जून को आए 7.2 और 7.5 तीव्रता के दो शक्तिशाली भूकंपों के बाद शनिवार को 4.9 तीव्रता का भूकंप आया था। वेनेजुएला में अब तक 1430 लोगों की मौत हो चुकी है। साथ ही 3300 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं।

अधिकारियों के मुताबिक, भूकंप के 72 घंटे बाद करीब 68,900 लोग अब भी लापता हैं और मलबे में फंसे लोगों की तलाश की जा रही है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि भूकंप के बाद शुरू के 48 से 72 घंटे ही सबसे जरूरी होते है। इस समय लोगों को बचाने की उम्मीद ज्यादा रहती है। वेनेजुएला की कार्यवाहक

इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन फॉर माइग्रेशन के अनुसार, भूकंप से वेनेजुएला में करीब 67.6 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। इनमें लगभग 20 लाख लोग राजधानी करावकस में रहते हैं। बड़ी संख्या में लोगों के घर ढह गए हैं। वे सड़कों या अस्थायी शिविरों में रहने को मजबूर हैं।

एयरपोर्ट क्षतिग्रस्त होने के कारण राहत पहुंचाने में मुश्किल

इंटरनेशनल रेस्क्यू कमेटी की चीफ एलिनोर रेक्स ने बताया कि देश का मुख्य एयरपोर्ट क्षतिग्रस्त होने से बड़े पैमाने पर मदद पहुंचाने में दिक्कत हो रही है। उन्होंने कहा कि IRC के पास पड़ोसी देश कोलंबिया में राहत सामग्री मौजूद है, लेकिन उसे वेनेजुएला तक पहुंचाने के लिए एयरपोर्ट तक पहुंच जरूरी है, जो एक बड़ी चुनौती बना हुआ है।

राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने शनिवार को बताया कि

वेनेजुएला के लिए भारत ने चलाया 'ऑपरेशन अमिस्ताद'

भारत ने शुक्रवार को वेनेजुएला की मदद के लिए 'ऑपरेशन अमिस्ताद' शुरू किया है। 'अमिस्ताद' एक स्पेनिश शब्द है जिसका मतलब 'दोस्ती' होता है। वेनेजुएला की आधिकारिक भाषा स्पेनिश ही है। इस ऑपरेशन का मकसद भूकंप प्रभावित इलाकों में जल्द से जल्द मदद पहुंचाना और घायलों का इलाज कराना है। भारतीय वायुसेना के दो C-17 ग्लोबमास्टर विमानों के जरिए करीब 35 टन राहत सामग्री भेजी गई है। इसमें जरूरी दवाइयां, मेडिकल इक्विपमेंट और राहत सामग्री शामिल हैं, जिनसे कम समय में अस्थायी इलाज सुविधाएं तैयार की जा सकती हैं। भारत ने 60 पैरा फील्ड हॉस्पिटल यूनिट की 41 सदस्यीय मेडिकल टीम भी वेनेजुएला भेजी है। इसमें डॉक्टर, नर्स और मेडिकल एक्सपर्ट शामिल हैं। यह टीम वहां घायलों का इलाज करेगी और जरूरत पड़ने पर अस्थायी अस्पताल भी बनाएगी, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को तुरंत इलाज मिल सके।

अमेरिका, मेक्सिको, कोलंबिया, अल सल्वाडोर, स्विट्जरलैंड समेत 24 देशों ने राहत और बचाव कार्य में मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। इन देशों ने मानवीय सहायता, एक्सपर्ट बचाव दल और हजारों आपदा राहतकर्मी भेजे हैं। रोड्रिगेज ने बताया कि अब तक 521 टन राहत सामग्री, 86 ट्रेन्ड खोजी

लोग सड़कों और पार्क में टेंट लगा कर रहने को मजबूर हैं।

कई इलाकों में राहत टीमों की कमी के कारण लोग परिजन को ढूंढने के लिए खुद मलबा हटा रहे हैं। कई परिवार हथौड़ों और दूसरे औजारों से इमारतों का मलबा हटाकर अपने परिजन की तलाश कर रहे हैं।

डॉग स्क्वॉड और 2,741 से ज्यादा खोज, बचाव व तकनीकी सहायता कर्मी वेनेजुएला पहुंच चुके हैं।

फास्ट न्यूज

रविवार की सुबह जापान में आया 6.1 तीव्रता का भूकंप

टोक्यो। पूर्वोत्तर जापान में रविवार सुबह-सुबह भूकंप के झटके लगे हैं। यहां रविवार सुबह 6.1 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया। हालांकि, इस भूकंप के बाद सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है । लेकिन मौसम विभाग ने अगले सप्ताह और भी तेज आफ्टरशॉक्स (झटकों) की आशंका जताते हुए निवासियों को सतर्क रहने की चेतावनी दी है।

कराची में पाक सेना के बेस पर आत्मघाती हमला करने वाले 6 हमलावर ढेर

कराची। पाकिस्तान के कराची शहर में स्थित अर्धसैनिक बल बार्डर रेंजर के मुख्यालय पर आत्मघाती हमले में 6 आतंकवादी ढेर हो गए तो वहीं, चार जवान मारे गए और कई घायल हुए हैं। बताया गया है कि विस्फोटकों के भरा वाहन मुख्यालय भवन से टकराया गया। इसके चलते पहले विस्फोट की आवाज आई और उसके बाद फायरिंग हुई। पता चला है कि काफी देर तक दोनों ओर से फायरिंग होने के बाद स्थिति नियंत्रण में आई। रॉयटर के अनुसार हमले में शामिल 6 चरमपंथी भी मारे गए हैं। जिस जगह पर यह घटना हुई उसके नजदीक ही कई विश्वविद्यालय और मौसम विभाग का कार्यालय भी है।

अमेरिका ने ईरान के 10 सैन्य ठिकानों पर दागी मिसाइलें

वाशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच हाल ही में हुए शांति समझौते के बावजूद मिडिल ईस्ट में तनाव जारी है। दोनों देश एक दूसरे पर हमले बंद करने का नाम नहीं ले रहे हैं। 24 घंटे के भीतर अमेरिका ने दूसरी बार ईरान पर हमला किया है। जिसका वीडियो भी सेंटकॉम ने सोशल मीडिया पर जारी किया है।

कोटक बैंक के एमडी-सीईओ का पद छोड़ेंगे अशोक वासवानी

दिसंबर 2026 के बाद दोबारा उनकी नियुक्ति नहीं होगी

नई दिल्ली, एजेंसी

कोटक महिंद्रा बैंक के मैनेजिंग डायरेक्टर (MD) और चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (CEO) अशोक वासवानी 31 दिसंबर 2026 को अपना कार्यकाल पूरा होने के बाद पद छोड़ देंगे। बैंक ने स्टॉक एक्सचेंज को इस बात की जानकारी दी। बैंक ने बताया कि वासवानी ने व्यक्तिगत कारणों से दोबारा नियुक्ति नहीं चाहने का फैसला किया है। बैंक के बोर्ड ने उनके इस फैसले का सम्मान करते हुए नए MD और CEO की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू कर दी है। कोटक महिंद्रा बैंक ने रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया कि अशोक वासवानी ने बोर्ड को अपने फैसले के बारे में जानकारी दे दी है। वे अपना चालू कार्यकाल पूरा होने के बाद दोबारा इस पद पर नहीं रहना चाहते हैं। बोर्ड ने आज हुई अपनी बैठक में उनके फैसले को स्वीकार कर लिया। नए MD और

CEO की नियुक्ति की प्रक्रिया तय समय सीमा के भीतर पूरी कर ली जाएगी। ब्रिटिश बैंक बार्कलेज के पूर्व एग्जीक्यूटिव अशोक वासवानी को अरबपति बैंकर उदय कोटक के सितंबर 2023 में इस्तीफा देने के बाद इस पद पर नियुक्त किया गया था। इसके बाद वासवानी ने 1 जनवरी 2024 को 3 साल के कार्यकाल के लिए कार्यभार संभाला था, जिसे अक्टूबर 2023 में भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने मंजूरी दी थी। अशोक वासवानी को ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज में रिटेल, कंज्यूमर, कॉरपोरेट और पेमेंट्स बिजनेस का 35 साल से ज्यादा का अनुभव है।

अमेरिका ने ईरान के 10 सैन्य ठिकानों पर हमले किए, ईरान का बहरीन-कुवैत पर अटैक

ईरान नहीं सुधरा तो उसका अस्तित्व नहीं बचेगा : ट्रम्प

तेल अवीव/तेहरान, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि अगर ईरान नहीं सुधरा तो उसका अस्तित्व नहीं बचेगा। ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर उन्होंने कहा,

लगता है ईरान कभी नहीं सुधरेगा, लेकिन हम और संयम नहीं बरत पाएंगे। एक समय ऐसा भी आ सकता है जब हमें उस सैन्य अभियान को पूरा करना पड़ेगा, जिसकी शुरुआत हमने बहुत सफल तरीके से की थी। अगर ऐसा हुआ तो ईरान का अस्तित्व ही नहीं बचेगा।

वहीं, अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) के मुताबिक नौसेना ने ईरान के 10 सैन्य ठिकानों पर हमला किया। CENTCOM के

मुताबिक ये हमले होर्मुज स्ट्रेट के पास ईरानी ठिकानों पर किए गए। यह कार्रवाई 'एम/टी किकु' नाम के तेल टैंकर पर हुए ईरानी ड्रोन हमले के जवाब में की गई है।

दूसरी ओर, ईरान की इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने दावा किया कि उसने कुवैत के अली अल सलेम एयर बेस और बहरीन में अमेरिकी नौसेना के फिफ्थ फ्लीट बेस पर मिसाइल और ड्रोन से हमला किया। अमेरिका ने ईरान पर फिर किए हवाई हमलेः अमेरिका ने शुक्रवार को करीब एक घंटे तक ईरान के मिसाइल, ड्रोन ठिकानों और तटीय रडार साइट्स पर हवाई हमले किए। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि ईरान ने युद्धविराम तोड़ा था, इसलिए यह कार्रवाई की गई। ईरान का अमेरिकी ठिकानों पर जवाबी हमलाः ईरान की रेवोल्यूशनरी गार्ड (IRGC) ने दावा किया कि उसने अमेरिकी हमलों के जवाब में क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया।

ईरान-इराक के विदेश मंत्रियों ने मुलाकात की

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने इराक की राजधानी बगदाद में इराकी विदेश मंत्री फुआद हुसैन से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने बैठक के बाद संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की। अल जजीरा के मुताबिक, दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय हालात और द्विपक्षीय संबंधों समेत कई मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार से जुड़े कार्यक्रमों के लिए इराक के धार्मिक स्थलों पर आपसी समन्वय पर भी बातचीत हुई। प्रेस कॉन्फ्रेंस में फुआद हुसैन ने कहा, "क्षेत्र में युद्ध अभी भी दूसरे रूप में जारी है और होर्मुज स्ट्रेट के आसपास सैन्य झड़पें हो रही हैं।"

ईरान-इराक के विदेश मंत्रियों ने मुलाकात की

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने इराक की राजधानी बगदाद में इराकी विदेश मंत्री फुआद हुसैन से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने बैठक के बाद संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की। अल जजीरा के मुताबिक, दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय हालात और द्विपक्षीय संबंधों समेत कई मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार से जुड़े कार्यक्रमों के लिए इराक के धार्मिक स्थलों पर आपसी समन्वय पर भी बातचीत हुई। प्रेस कॉन्फ्रेंस में फुआद हुसैन ने कहा, "क्षेत्र में युद्ध अभी भी दूसरे रूप में जारी है और होर्मुज स्ट्रेट के आसपास सैन्य झड़पें हो रही हैं।"

अब उसी कंपनी से मस्क ट्रिलियनेयर बने, 12 जून 2026 को इलॉन मस्क दुनिया के पहले ट्रिलियनेयर बने थे

तीन रॉकेट फेलियर के बाद आखिरी पैसा दांव पर लगाया

वॉशिंगटन, एजेंसी

साल 2008 में जब पूरी दुनिया मंदी की कगार पर खड़ी थी, अमेरिकी शेयर बाजार क्रैश हो चुका था और बड़ी-बड़ी बिलियन डॉलर कंपनियां मिट्टी में मिल रही थीं। तब एक इंसान जिसका नाम इलॉन मस्क था वो अपनी जिंदगी का सबसे बड़ा जुआ खेल रहा था।

तीन रॉकेट लॉन्च फेल हो चुके थे। दूसरी कंपनी टेस्ला भी डूब रही थी। उसने अपना आखिरी एक-एक पैसा आखिरी रॉकेट लॉन्च पर लगा दिया। अगर ये फेल होता तो वो दिवालिया हो जाते। उनकी पूर्व पत्नी तालुलाह राइली बताती हैं, ₹मस्क खुद से बातें करने लगे थे, हाथ फैलाकर जोर-जोर से चिल्लाते थे। लगता

था कि उन्हें दिल का दौरा न पड़ जाएगा।" लेकिन आज इसी रॉकेट कंपनी स्पेसएक्स के आईपीओ ने मस्क को दुनिया का पहला ट्रिलियनेयर बना दिया है। यानी उनकी नेटवर्थ 94 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा हो गई। आज 28 जून 2026 को मस्क 55 साल के हो गए हैं। साल 2001 में मस्क रूस गए थे। वे पुरानी रीफर्बिश्ड इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल खरीदना चाहते थे।

तीन फेलियर के बाद मस्क को कामयाबी मिली

फ्लाइट 1 (24 मार्च, 2006): इसे ओमेलेक आइलैंड लॉन्च साइट से छोड़ा गया था। उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद रॉकेट की फ्यूल लाइन में आग लग गई और यह क्रैश हो गया।

फ्लाइट 2 (21 मार्च, 2007): यह दूसरी उड़ान थी। शुरुआती दौर में तो रॉकेट ने अच्छा काम किया, लेकिन बाद में यह अनियंत्रित होकर घूमने लगा और ऑर्बिट तक नहीं पहुंच पाया।

फ्लाइट 3 (3 अगस्त, 2008): इस मिशन में रॉकेट का पहला हिस्सा कामयाबी से अलग तो हो गया, लेकिन थोड़ी सी गड़बड़ी हो गई। बचे हुए थ्रस्ट में थोड़ी देरी होने की वजह से पहला और दूसरा हिस्सा आपस में टकरा गए, जिससे रॉकेट तबाह हो गया।

2008 में एक फेल लॉन्च के मलबे को टटोलते हुए इलॉन मस्क। मस्क के तीन रॉकेट लॉन्च लगातार फेल हुए थे, जिसके बाद वह पूरी तरह दिवालिया होने की कगार पर पहुंच गए थे।

जब मस्क ने अपनी पूरा पैसा रिस्की बिजनेस में दांव पर लगा दिया

इस कहानी की शुरुआत 1990 के दशक से होती है। उन्होंने स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी से ड्रॉपआउट कर 'जिप 2' नाम की ऑनलाइन सिटी गाइड शुरू की, जिसे कॉम्पेक ने 37 मिलियन डॉलर में खरीदा। इसके बाद उन्होंने 'x.com' बनाया जो आगे चलकर पेपाल बना।

जब इसे eBay ने 1.5 बिलियन डॉलर में खरीदा, तो मस्क के हिस्से 180 मिलियन डॉलर आए। मस्क ने इस पूरी रकम को तीन बेहद रिस्की बिजनेस में लगा दिया। 100 मिलियन डॉलर स्पेसेक्स में, 70 मिलियन डॉलर टेस्ला में और 10 मिलियन डॉलर सोलर में।

फ्रांस में हीटवेव के दौरान 1000 से ज्यादा लोगों की मौत

तापमान 45 डिग्री के पार, सबसे ज्यादा बुजुर्ग प्रभावित

पेरिस, एजेंसी

फ्रांस के स्वास्थ्य अधिकारियों ने रविवार को कहा कि रिकॉर्ड तोड़ने वाली गर्मी की लहर के दौरान उम्मीद से लगभग 1,000 ज्यादा मौतें हुईं। इस हीटवेव ने पिछले कई दिनों से पश्चिमी यूरोप के बड़े हिस्से को झुलसा दिया है।

पब्लिक हेल्थ फ्रांस ने एक बयान में कहा, ₹24 जून के बाद से पिछले महीनों में दर्ज मौतों की तुलना में लगभग 1,000 अतिरिक्त मौतें देखी गई हैं।₹ एजेंसी ने कहा कि गर्मी के लिए रेड अलर्ट वाले इलाके सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं और मरने वालों में 85 प्रतिशत लोग 65 साल या उससे ज्यादा उम्र के थे।

एजेंसी के मुताबिक, सबसे ज्यादा बढ़ोतरी घरों में मरने वालों की संख्या में देखी गई। खासकर इले-डी-फ्रांस इलाके में जिसमें पेरिस और उसके आस-पास के इलाके शामिल हैं।

बयान में कहा गया, ₹यह बात हमें याद दिलाती है कि जो लोग अकेले हैं या बहुत ज्यादा अकेलेपन का सामना कर रहे हैं जिनमें बहुत ज्यादा शहरी इलाकों में रहने वाले लोग भी शामिल हैं उनके प्रति एकजुटता दिखाने और मदद के उपाय करने की जरूरत है।₹

एजेंसी ने जोर देकर कहा कि ये आंकड़े शुरुआती हैं और हो सकता है कि ये असल संख्या से कम हों। कई दिनों तक भीषण गर्मी और कई इलाकों में तापमान के 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर जाने के बाद रविवार को पूरे फ्रांस में गर्मी से कुछ राहत मिली।

सजा : ग्वादर विरोध प्रदर्शन में सैनिक की मौत का आरोप, लापता पुरुषों के लिए उनकी लड़ाई का परिणाम

लापता बलूचों की आवाज उठाने वाली 'बलूचिस्तान की शेरनी' को उम्रकैद

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में लापता पुरुषों के लिए लड़ने वाली महिला को उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। इस महिला का नाम है डॉ. महरंग बलोच। जब वह युवा थीं तो उन्होंने पाकिस्तान में सैकड़ों परिवारों के साथ मिलकर अपने पिता की तलाश शुरू की थी।

सालों बाद ये महिला डॉक्टर से एक एक्टिविस्ट बन गई और इस आंदोलन की सबसे जाने-पहचाने चेहरों में से एक बन गई। इस आंदोलन का मकसद उन लापता पुरुषों की तलाश करना था जो जबरदस्ती गायब हो गए थे। अब इस महरंग को जेल की सजा का सामना

बलूचिस्तान पाकिस्तान का सबसे बड़ा प्रांत है और ये देश के कुल क्षेत्रफल का लगभग 44% हिस्सा है। यहां की जमीन गैस, कोयला, तांबा और सोने जैसे संसाधनों से समृद्ध है लेकिन ये इलाका तरक्की से दूर रहा है। सुरक्षा कारणों से प्रांत के कई हिस्सों में जाने पर रोक है। यहां बुनियादी ढांचा खराब है, बिजली कमी-कमी आती है और पानी की कमी है।

करना पड़ रहा है। 33 साल की महरंग के लिए जबरदस्ती गायब हुए पुरुषों का मुद्दा सिर्फ राजनीतिक नहीं है। यह बहुत ही निजी मामला है। उनके पिता अब्दुल गफ्फार लैंगोव एक राजनीतिक कार्यकर्ता थे और 2009 में गायब हो गए। उस समय महरंग 16 साल की थीं। उनके पिता की मौत के मामले ने उनकी जिंदगी पर गरा असर डाला। लगभग तीन साल बाद महरंग के परिवार को एक फोन कॉल आया जिसमें बताया गया कि उनका शव प्रांत के दक्षिण में स्थित लासबेला जिले में मिला है।

महरंग को सुनाई गई उम्रकैद की सजा

पाकिस्तान की एक आतंकवाद-रोधी अदालत ने सोमवार को महरंग और उनके साथी एक्टिविस्ट सिबगतुल्लाह शाह को उम्रकैद की सजा सुनाई है। उन्हें 2024 में ग्वादर शहर में एक विरोध प्रदर्शन के दौरान पैरामिलिट्री सैनिक की मौत के मामले में आतंकवाद, देशद्रोह और हत्या का दोषी ठहराया गया। हालांकि, महरंग ने इन आरोपों से इनकार किया है और उम्मीद है कि वो ऊपरी अदालत में अपील करेंगीं। इस मामले को लेकर महरंग का परिवार डटा हुआ है और उनका कहना है कि इस फैसले को ऊपरी अदालतों में चुनौती दी जाएगी।

बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, जेल में बंद महरंग की बहन नादिया बलोच का कहना है, ₹मुझे उनसे मिलने की हिम्मत नहीं है। क्योंकि उन्हें न्याय न दिलाकर मैं अपनी जिम्मेदारी निभाने में नाकाम रही।

7 साल के बच्चे को रोज खिलाते थे चिप्स और फ्रेंच-फ्राइज

115 किलो वजन होने से हुई मौत अमेरिका में पैरेंट्स पर केस दर्ज

वाशिंगटन, एजेंसी

बच्चों के खान-पान में लापरवाही का खौफनाक मामला अमेरिका से सामने आया है, जहा मिशिगन में कैस्पर ओ'ब्रायन नाम के एक 7 साल के बच्चे अत्यधिक मोटापे के कारण मौत हो गई। इस मामले में पुलिस ने मृतक बच्चे के माता-पिता को गिरफ्तार किया है और दोनों को बच्चे की मौत का जिम्मेदार ठहराया है। दरअसल, डेमियन ओ'ब्रायन और जेसिका ओ'ब्रायन के बच्चे कैस्पर ओ'ब्रायन की महज 7 साल में वजन करीब 115 किलो पहुंच चुका था। जिसके कारण उसकी मौत हो गई। फॉरेंसिक रिपोर्ट के अनुसार, बच्चे के माता-पिता उसे रोजाना खाने में सिर्फ चिप्स, फ्रेंच फ्राइज, एपल जूस और कार्बोनेटेड ड्रिंक्स (सोडा) देते थे, जिससे उसकी सेहत पूरी तरह बिगड़ गई और उसका वजन बढ़कर 115 किलो पहुंच गया। अत्यधिक मोटापे के कारण उसकी नवंबर 2025 में

- **माता-पिता को बच्चे की मौत के लिए आरोपी बनाया गया**
- **अस्वास्थ्यकर भोजन और चिकित्सा लापरवाही मौत का कारण बनी**

उसकी जान चली गई। पुलिस का कहना है कि बच्चे के माता-पिता ने उसके सेहत पर ध्यान नहीं दिया, जिसके कारण उसको सही खाना नहीं मिला और न ही वह सही एक्सरसाइज किया। इसके साथ ही आरोप है कि परिवार के पास हेल्थ कवरेज होने के बावजूद बच्चे का कभी मेडिकल ट्रीटमेंट नहीं कराया गया।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96